आज का विचार

जिंदगी की हकीकत को बस इतना ही जाना है। दर्द में अकेले हैं खुशी में जमाना है।

दैनिक

सिटी दर्पण

आईना सच का

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

पंचकूला । रविवार, 17 मई, 2026 | वर्ष 1, अंक 274, मूल्यः 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: HRHIN/25/A2164 Established 2025 | www.citydarpan.com

नायब सैनी ने किया प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का शुभारम्भ, कहा-किसान हित सरकार की नीतियों के केंद्र में

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की कामना की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को यमुनानगर में दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की कामना की। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 76 हजार बहन-बेटियों को 1 हजार 415 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के लगभग 14 लाख 38 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 243 करोड़ रुपये की राशि डाली जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान हित हमारी नीतियों के केन्द्र में है। आज किसानों की सभी 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है। अब तक 12 लाख किसानों के खातों में फसल खरीद के 1 लाख 80 हजार करोड़ रुपये डाले जा चुके हैं। प्रदेश में फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 16 हजार 160 करोड़ रुपये की राशि दी गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत लगभग 20 लाख 18 हजार किसानों को 22 किस्तों में 7 हजार 562 करोड़ रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में डाली जा चुकी है। पराली प्रबंधन के लिए किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर फसल अवशेष प्रबंधन मशीनें दी जाती हैं। वर्ष 2018-19 से अब तक 1 लाख 10 हजार 767 मशीनें किसानों को सब्सिडी पर दी जा चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि किसान भाइयों को बाजार भावों की अनिश्चितता की समस्या से निजात दिलाने के लिए भावांतर भरपाई योजना शुरू की है। सरकार ने अंग्रेजों के

जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है। पूरे प्रदेश में जमीनों व सम्पत्तियों का पेपरलेस रजिस्ट्रेशन शुरू किया है। अब रजिस्ट्री का काम पूरी तरह डिजिटल हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़ा वर्ग की क्रीमी लेयर आय सीमा को 6 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये किया गया है। पिछड़ा वर्ग-बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया गया है।

उन्होंने कहा कि गांवों में पंचायती भूमि पर बने 500 वर्ग गज तक के मकानों पर काबिज लोगों को उनका मालिकाना हक दिया है। हैप्पी हरियाणा योजना के तहत प्रदेश में गरीब परिवारों के 18 लाख 20 हजार हैप्पी कार्ड बनाये गये हैं। ये परिवार राज्य परिवहन की बसों में प्रतिवर्ष 1 हजार किलोमीटर तक मुफ्त यात्रा कर सकते हैं। अब धन के अभाव में कोई भी गरीब इलाज से वंचित नहीं रहेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 54 हजार 958 घरों पर मुफ्त में सोलर रूफटॉप लगाए जा चुके हैं। म्हारा गांव-जगमग गांव योजना के तहत 6 हजार 19 गांवों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति दी जा रही है। प्रदेश में लाइन लॉसिस 30 प्रतिशत से घटकर 9.97 प्रतिशत रह गया है। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल से जल योजना में 30 लाख 41 हजार घरों में नल से पेयजल पहुंचाया है।

पिछले एक साल में 36 हजार युवाओं को बिना पर्ची-खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इन्हें मिलाकर पिछले 11 सालों में 1 लाख 80 हजार नौकरियां दी जा चुकी हैं। हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नियुक्त 1 लाख 18 हजार युवाओं को रोजगार की सुरक्षा दी गई है। विदेश में रोजगार तलाश रहे युवाओं की मदद के लिए हरियाणा ओवरसीज इम्पलॉयमेंट सैल बनाया है जिस का लाभ युवाओं को मिल रहा है।

इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के भाजपा जिला अध्यक्ष तेजीन्द्र सिंह गोल्डी, भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुभाष सुधा, पूर्व कैबिनेट मंत्री कंवर पाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, नगर निगम मेयर सुमन बहमनी, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमिच, जिला परिषद चेयरमैन रमेश ठसका समेत अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

ऊर्जा संकट से दुनिया की उपलब्धियां खतरे में, भारत बनेगा वैश्विक विकास इंजन : मोदी

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा संकट, लोकतंत्र, सेमीकंडक्टर और भारत की वैश्विक भूमिका पर रखे विचार

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हेग में वैश्विक ऊर्जा संकट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि दुनिया ने समय रहते इस चुनौती का समाधान नहीं किया, तो पिछले कई दशकों में हासिल की गई विकास संबंधी उपलब्धियां नष्ट हो सकती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दुनिया की बड़ी आबादी एक बार फिर गरीबी के जाल में फंस सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी पांच देशों की छह दिवसीय विदेश यात्रा के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे हैं। यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में दुनिया लचीली और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) की आवश्यकता महसूस कर रही है। भारत और नीदरलैंड मिलकर पारदर्शी एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता लागू होने के बाद नीदरलैंड यूरोप का प्रमुख प्रवेश द्वार बन सकता है।

उन्होंने उल्लेख किया कि मुख्य भूमि यूरोप में भारतीय मूल के लोगों का सबसे बड़ा समुदाय नीदरलैंड में निवास करता है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख करते हुए कहा, जिस प्रकार भारत कमल के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार नीदरलैंड ट्यूलिप के लिए प्रसिद्ध है। ट्यूलिप और कमल दोनों यह सिखाते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या मिट्टी में, सौंदर्य और शक्ति दोनों प्राप्त की जा सकती हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत में लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास लगातार मजबूत हुआ है। जब आम नागरिकों को अपने सपनों की पूर्ति और विकास में भागीदारी दिखाई देती है, तब लोकतांत्रिक व्यवस्था पर भरोसा और बढ़ता है। उन्होंने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि असम, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में इस बार लगभग 90 प्रतिशत तक मतदान दर्ज किया गया, जो लोकतंत्र के प्रति जनता के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है।

प्रधानमंत्री ने 16 मई की तारीख का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2014 में इसी दिन लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित हुए थे और दशकों बाद देश में स्थिर एवं पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी थी। उन्होंने कहा कि 13 वर्ष मुख्यमंत्री और 12 वर्ष प्रधानमंत्री के रूप में देश सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। करोड़ों देशवासियों का लगातार समर्थन उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह बहुत छोटी उम्र में ही देशभक्ति के रंग में रंग गए थे। उन्होंने ह्लअहम्से वयम्ह्व का मार्ग चुना और अब जनता का सुख ही उनका सुख तथा जनता का कल्याण ही उनका कर्तव्य बन गया है। उन्होंने कहा कि आज भारत केवल बदलाव नहीं, बल्कि सर्वश्रेष्ठ बनने का सपना देख रहा है। देश सबसे तेज विकास, आधुनिक तकनीक और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का भारत केवल अपनी सीमाओं तक सीमित सोच वाला देश नहीं है, बल्कि वह दुनिया का विकास इंजन बनने की दिशा में अग्रसर है। भारत ओलंपिक की मेजबानी, वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने और ग्रीन एनर्जी में नेतृत्व करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने बताया कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में 12 सेमीकंडक्टर संयंत्रों पर काम चल रहा है, जिनमें से दो में उत्पादन शुरू हो चुका है। अब चिप भी ह्लडिजाइन इन इंडियाह्व और ह्लमेड इन इंडियाह्व होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि नीदरलैंड आकर उन्हें भारत जैसा अनुभव हो रहा है। यहां की प्रगति में भारतीय समुदाय का महत्वपूर्ण योगदान है और इस पर हर भारतवासी को गर्व है। उन्होंने कहा कि यहां बसे भारतीय परिवारों की कहानियां केवल प्रवास की नहीं, बल्कि संघर्ष और सफलता की कहानियां हैं। समय बदला, देश बदले और पीढ़ियां बदलीं, लेकिन भारतीय संस्कार, परिवार व्यवस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव आज भी जीवित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीयों ने डच भाषा को अपनाया, लेकिन अपनी मातृभाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को भी संजोकर रखा। भारतीय संगीत और संस्कृति आज नीदरलैंड के परिवारों तक पहुंच रही है।

यायपालिका को अस्पतालों की तरह 247 कार्य करना होगा : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि अमरकंटक से निकलने वाली मां नर्मदा, छोटी-छोटी नदियों के मिलने से विशाल स्वरूप प्राप्त करती है। इसी प्रकार नई तकनीक की धाराओं के माध्यम से कोर्ट, पुलिस, प्रिजन, फॉरेंसिक और मेडिको लीगल की शाखाएं यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफॉर्म में एकाकार होते हुए न्याय पाने में आमजन के लिए सहायक सिद्ध होंगी। आम नागरिक को त्वरित रूप से न्याय देने के लिये न्यायपालिका को अस्पतालों की तरह 247 कार्य करना होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत शनिवार को मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजनः एम्पावरिंग जस्टिस वाया-यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के लिए डिजिटल सेवाओं का विकास कर न्याय प्रक्रिया को तेज और सरल बनाना सराहनीय और अनुकरणीय है। उच्च न्यायालय के डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से समय पर बंदियों को मुक्त करने, अर्जेंट हियरिंग, कोर्ट ऑर्डर के डिजिटलीकरण जैसी अनेक सुविधाएं मिलेंगी। देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था देश के सभी

कॉकरोच वाली टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया

नई दिल्ली। कॉकरोच वाले विवाद पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने अपना बयान जारी किया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक हिस्से ने कल एक तुच्छ मामले की सुनवाई के दौरान मेरी मौखिक टिप्पणियों को किस तरह गलत तरीके से पेश किया है। मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी, जिन्होंने फर्जी और नकली डिग्रियों की मदद से वकालत जैसे व्यवसायों में प्रवेश किया है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ऐसे ही लोग मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य प्रतिष्ठित व्यवसायों में भी घुसपैठ कर चुके हैं, इसलिए वे परजीवी की तरह हैं। चीफ जस्टिस ने अपने बयान में कहा है कि यह कहना पूरी तरह से बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की मुझे न केवल हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। चीफ जस्टिस ने कहा है कि यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवाओं के मन में मेरे लिए बहुत आदर और सम्मान है और मैं भी उन्हें एक विकसित भारत के स्तंभों के रूप में देखता हूं। उल्लेखनीय है कि 15 मई को चीफ जस्टिस ने एक सुनवाई के दौरान कॉकरोच संबंधी बयान दिया था जिस पर काफी बवाल मचा था।

न्यायालयों में लागू की जाएं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के साथ दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा मुख्य सचिव अनुराग जैन कानूनविद एवं न्यायविद उपस्थित थे।

इस अवसर पर मप्र हाई कोर्ट ने लाइव वीडियो स्ट्रीमिंग के लिए कोर्टरूम लाइव ऑडियो-विजुअल स्ट्रीमिंग सिस्टम तथा डिजिटल डेटा मैनेजमेंट सिस्टम प्रथम लॉन्च किया गया।

मोदी के नेतृत्व में सतत विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है सिक्किम : सिंधिया

एजेंसी (हि.स.)
गंगटोक

सिक्किम के 51वें राज्य स्थापना दिवस समारोह में केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर और मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग भी मौजूद रहे। समारोह के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा समर्थित लगभग 223 करोड़ की 21 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सिक्किम और पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे तथा

विकास कार्यों को मजबूत करना है। अधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने नेपाली भाषा में समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सिक्किम ऐसा राज्य है जहां विकास, प्रकृति, संस्कृति और पहचान एक साथ आगे बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिक्किम आज सतत विकास, ऑर्गेनिक खेती, पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था और पर्यावरण संरक्षण का राष्ट्रीय उदाहरण बनकर उभरा है। इस दौरान एनईएसआईडीएस-रोड्स योजना के अंतर्गत 45 करोड़ से अधिक की संपर्क परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनमें एनएच-10 को आईबीपी रोड से जोड़ने वाले पुल कार्य, पाक्योंग जिले में रोंगरोंग नदी पर संपर्क मार्ग तथा नाम्ची जिले में रंगपो खोला पर कनेक्टिविटी परियोजनाएं शामिल हैं।

डॉ. पी.के. मिश्रा ने पुणे में एनआईबीएम के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
नई दिलिली

- ऋण आर्थिक कार्यों, आजीविका सृजन और नागरिकों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण हैः डॉ. पी.के. मिश्रा
- डिजिटल भुगतान प्रणाली केवल एक तकनीक नहीं है; यह अनौपचारिकता और औपचारिक आर्थिक भागीदारी के बीच, रोक और अवसर के बीच, तथा गुमनामी और आर्थिक पहचान के बीच एक सेतु हैः डॉ. पी.के. मिश्रा

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, डॉ. पी.के. मिश्रा ने आज पुणे, महाराष्ट्र में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट (एनआईबीएम) के 20वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने इस समारोह में शामिल होकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, 2024-26 बैच और स्वर्ण पदक विजेताओं को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्नातक एक ऐसे महत्वपूर्ण दौर में पेशेवर दुनिया में कदम रख रहे हैं, जहाँ बैंकिंग का दायरा महज सामान्य व्यापार से कहीं आगे तक फैला हुआ है। डॉ. मिश्रा ने कहा, दीक्षांत समारोह उपलब्धियों के पड़ाव होते हैं; लेकिन साथ ही ये बदलाव के क्षण भी होते हैं।

डॉ. मिश्रा ने एक शीर्ष बैंकिंग थिंक-टैंक के रूप में एनआईबीएम की पाँच दशकों की विरासत पर विचार व्यक्त करते हुए संस्थागत उत्कृष्टता के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जहाँ पारंपरिक बैंकिंग का ध्यान केवल बचत जुटाने पर था, वहीं आज के दौर में राष्ट्रीय अवसरों पर व्यापक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने स्नातक होने वाले छात्रों से आग्रह किया कि वे इस बदलते हुए दायरे को आत्मसात करें। उन्होंने कहा, आने वाले दिनों में, आपको बैंकिंग और वित्त को कहीं अधिक व्यापक अर्थ-समावेशन, अवसर, विश्वास और राष्ट्रीय विकास के रूप में देखना होगा। डॉ. मिश्रा ने पारंपरिक अर्थव्यवस्था पर चर्चा करते हुए समझाया कि वित्त ने ऐतिहासिक रूप से पृष्ठभूमि में रहकर एक मूक सहायक की भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि वास्तविक अर्थव्यवस्था और वित्त के बीच के संबंधों को ठीक से समझा नहीं गया, जिसके कारण अक्सर कम सुविधा प्राप्त वर्ग औपचारिक संस्थागत सहयोग से वंचित रह गया। उन्होंने दोहराया कि ऋण की उपलब्धता में यह असंतुलन लोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा, ऋण आर्थिक कार्यों, आजीविका सृजन और नागरिकों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है।

गोरखपुर में बनवाएंगे विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी (हि.स.)
गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखपुर में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के साथ ही खेल और खिलाड़ियों के हित मे एक नई और बड़ी घोषणा भी कर दी। उन्होंने ऐलान किया कि इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बगल में रिजर्व कराई गई 60 एकड़ भूमि पर विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा।

शनिवार को, केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी की मौजूदगी में गोरखपुर के ताल नदोर में करीब 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यहां 46 एकड़ में 30 हजार दर्शकों की क्षमता का इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम तो बनेगा ही, इसके बगल की 60 एकड़ भूमि पर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाएंगे। इसमें हर तरह के इनडोर गेम्स की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यहां हॉकी और अन्य आउटडोर गेम्स भी हो सकेंगे। योगी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनने से इस क्षेत्र में होटल, रेस्त्रां, मार्केट की नई श्रृंखला भी तैयार होगी और बड़ी संख्या में नए रोजगार भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने ताल नदोर क्षेत्र में हो रहे विकासपरक बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि आज से पांच वर्ष पहले यह क्षेत्र बंजर पड़ा था। यह क्षेत्र उपेक्षित था, जिसकी मर्जी होती वह जमीन कब्जा कर लेता था। अब यहां की जमीन कब्जामुक्त है। साथ ही डबल इंजन सरकार इस भूमि पर नौजवानों के भविष्य को तराशने का एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम को युवाओं और भावी पीढ़ी के सपनों को साकार

करने के लिए उत्कृष्ट उपहार बताया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश को माफियामुक्त, गुंडा मुक्त, दंगामुक्त, कर्फ्यूमुक्त बनाया है। इससे प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब विकास होता है तो रोजगार का सृजन स्वतः स्फूर्त भाव से होता है। मुख्यमंत्री ने लोगों को आगाह किया कि जो लोग जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर बांटते है, वो आपके हितैषी नहीं हो सकते। जब भी उनके पास सत्ता आई तो वे गुंडागर्दी अराजकता, अव्यवस्था करते रहे। उन्होंने सत्ता का दुरुपयोग अपने परिवार के लिए किया, जनता हित के लिए कभी नहीं किया। पर, आज की डबल इंजन सरकार आमजन के कल्याण के लिए, रोजगार सृजन के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया, फिट इंडिया मूवमेंट और सांसद खेल स्पर्धा से नई खेल संस्कृति आगे बढ़ी है। इसका परिणाम है कि ओलंपिक, एशियाड, कामनवेल्थ और विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिभाग और मेडल की संख्या दोनों में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को इंफ्रास्ट्रक्चर देना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार इस जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रही है। सुविधा मिलने से आज के खिलाड़ी प्रधानमंत्री मोदी के विजन को साकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार हर गांव में खेल मैदान, ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम, जिला स्तर पर स्टेडियम और मंडल स्तर पर स्पोर्ट्स कॉलेज की सुविधा विकसित कर रही है। मेरठ में खेल विश्वविद्यालय बन चुका है और इसी सत्र में उसका भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित होने जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया। भूमि पूजन का अनुष्ठान पूर्ण करने के बाद उन्होंने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने स्टेडियम के ड्राइंग मैप और मॉडल का अवलोकन किया और निर्माण कार्य की पूरी जानकारी ली।

लोकतंत्र मजबूत करने के लिए हर मतदाता जरूर करे मतदान : राज्यपाल कविंद्र गुप्ता

कहा, नगर निकाय चुनाव सीधे तौर पर आम जनता के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े होते हैं

बेहतर और सुशासित शहरों के निर्माण में वोट की अहमियत है: राज्यपाल

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में रविवार को होने वाले शहरी निकाय चुनावों की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लोकतंत्र के इस जमीनी उत्सव से ठीक पहले, प्रदेश के राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने सभी राज्यवासियों से चुनाव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने की पुरजोर अपील की है।

राज्यपाल ने अपने आधिकारिक संदेश में कहा कि नगर निकाय चुनाव कोई महज प्रशासनिक या औपचारिक प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि ये हमारे शहरों को सुंदर, सुशासित और आत्मनिर्भर बनाने की मजबूत नींव हैं। उन्होंने प्रत्येक पात्र नागरिक से अपनी जिम्मेदारी समझने और मतदान केंद्रों तक पहुंचने का आग्रह किया है। हिमाचल प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रदेश के 51 शहरी स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रचार शुक्रवार शाम को पूरी तरह थम गया था। इसके बाद से ही सभी क्षेत्रों में 'ड्राय डे' और आदर्श आचार संहिता के नियमों को कड़ाई से लागू कर दिया गया है।

अब रविवार, 17 मई को सुबह 7:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक मतदान प्रक्रिया आयोजित की जाएगी। मतों की गिनती मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद स्थानीय नगर निकाय मुख्यालयों पर शुरू कर दी जाएगी। बेहतर और सुशासित शहरों के निर्माण में वोट की अहमियत

राज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने लोकतांत्रिक प्रणाली में स्थानीय शासन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नगर निकाय चुनाव सीधे तौर पर आम जनता के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े होते हैं। चाहे बात साफ-सफाई की हो, पेयजल आपूर्ति की हो, सड़कों की स्थिति की हो या फिर स्ट्रीट लाइट और पार्क जैसे बुनियादी ढांचे की—ये सभी फैसले स्थानीय जनप्रतिनिधियों के हाथ में होते हैं। इसलिए, एक सजग और जागरूक नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह सोच-समझकर अपने प्रतिनिधि का चुनाव करे। उन्होंने कहा, मतदान करना हर भारतीय नागरिक का न केवल एक संवैधानिक अधिकार है, बल्कि राष्ट्र और समाज के प्रति एक परम कर्तव्य भी है।

जनता का एक-एक वोट शहरों और अंततः पूरे प्रदेश के भविष्य की दिशा तय करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राज्यपाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र तभी मजबूत हो सकता है जब चुनावी प्रक्रिया में शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित हो। चार प्रमुख नगर निगमों समेत 51 निकायों में कड़े सुरक्षा प्रबंध इस बार के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में प्रदेश के चार सबसे महत्वपूर्ण और बड़े नगर निगमों—धर्मशाला, सोलन, मंडी और पालमपुर—समेत कई नगर परिषदों और नगर पंचायतों के वार्डों में पार्षद पदों के लिए मतदान होना है। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार, सभी संवेदनशील और अति-संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। पुलिस और स्थानीय प्रशासन को पूरी तरह मुस्तैद रहने और हर प्रकार की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। मतदान के दिन कानून-व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। राज्यपाल ने जनता से भी अपील की है कि वे मतदान केंद्रों पर पूरी तरह अनुशासित, शालीन और शांतिपूर्ण व्यवहार बनाए रखें। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सौहार्दपूर्ण माहौल के लिए जाना जाता है, इसलिए लोकतंत्र का यह महापर्व भी पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और भाईचारे की भावना के साथ संपन्न होना चाहिए।

पेट्रोल-डीजल महंगा होने से प्रभावित होगा हिमाचल का पर्यटन कारोबार : विक्रमादित्य सिंह

हिमाचल के पर्यटन संकट पर विक्रमादित्य सिंह ने जताई चिंता

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि ईंधन के दाम बढ़ने का सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा और इससे महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल में पर्यटन सीजन के दौरान होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा और परिवहन कारोबार पर इसका नकारात्मक असर देखने को मिलेगा। विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को कहा कि पेट्रोल-डीजल महंगा होने से किसान, बागवान, छोटे कारोबारी और आम जनता सबसे ज्यादा प्रभावित होगी।

उनका कहना था कि चुनावों के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ाए गए, लेकिन चुनाव खत्म होते ही कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई। उन्होंने कहा कि कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर पहले ही महंगा हो चुका है और अब ईंधन की कीमतें बढ़ने से कारोबारियों की लागत और बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस समय पर्यटन सीजन चरम पर है। ऐसे में ईंधन और गैस महंगी होने से होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। डीजल के दाम बढ़ने से मालभाड़ा भी महंगा होगा, जिसका असर सीमेंट, सरिया, एल्युमिनियम और अन्य निर्माण सामग्री की कीमतों पर पड़ेगा। इसके साथ ही सब्जियों, दूध, खाद्य तेल और रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं के दाम बढ़ने की भी आशंका है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि बिटुमिन की कीमतें बढ़ने से सड़क निर्माण कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से इस विषय को गंभीरता से लेने और राहत देने की मांग की। नगर निगम चुनावों को लेकर भी विक्रमादित्य सिंह ने कांग्रेस की जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि चारों नगर निगम चुनावों में कांग्रेस मजबूती के साथ मैदान में है और पार्टी के सभी नेताओं ने चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास और लोक निर्माण विभाग के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता लाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शहरी विकास से जुड़े 5400 करोड़ रुपये के प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए थे, जिनमें से करीब 1200 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन बढ़ने के साथ कूड़ा निस्तारण एक बड़ी चुनौती बन रहा है। सरकार इस दिशा में बायोगैस प्लांट और सीवरेज सिस्टम को मजबूत करने पर काम कर रही है ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ शहरी सुविधाओं को भी बेहतर बनाया जा सके।

शिमला पुलिस का बड़ा एक्शन, चंडीगढ़-अमृतसर से चिट्टा सप्लायर गिरफ्तार, इस साल 29 गिरोह ध्वस्त

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शिमला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चिट्टा तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए चंडीगढ़ और पंजाब के अमृतसर से दो मुख्य सप्लायरों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस का दावा है कि गहन जांच, डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन के विश्लेषण के जरिए अंतरराज्यीय नशा नेटवर्क तक पहुंच बनाई गई है। पहला मामला पुलिस थाना ढली में 13 मई को दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने निखिल ठाकुर और सुलभ थापा को करीब 11 ग्राम चिट्टा या हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। निखिल ठाकुर शिमला के चौड़ा मैदान क्षेत्र का रहने वाला है और पेशे से अधिवक्ता है, जबकि दूसरा आरोपी सुलभ थापा टुटीकंडी क्षेत्र का निवासी है। मामले की

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन, डिजिटल रिकॉर्ड और पैसों के लेनदेन की जांच की। इसके बाद चिट्टे की सप्लाई करने वाले आरोपी की पहचान चंडीगढ़ निवासी आकाश के रूप में हुई। पुलिस थाना ढली की टीम ने 15 मई को चंडीगढ़ में दबिश देकर आरोपी आकाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राम दरबार इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, चंडीगढ़ का रहने वाला बताया गया है। इसी तरह दूसरा मामला रामपुर थाना में 9 मई को दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने रोहित चौहान, तुषार वर्मा और प्रवीण कुमार को 9 ग्राम चिट्टा और इस्तेमाल की हुई डिस्पोजेबल सिरिंज के साथ गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के बैकवर्ड लिंकिज और सप्लाई चेन को खंगाला। मोबाइल फोन और वित्तीय लेनदेन की जांच में पता चला कि यह खेप पंजाब के अमृतसर से सप्लाई की गई थी। इसके बाद पुलिस थाना कुमारसैन की टीम ने कार्रवाई करते हुए 15 मई को अमृतसर से आरोपी अमनदीप सिंह को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अमृतसर के हमीदपुरा कॉलोनी क्षेत्र का रहने वाला है। शिमला पुलिस के अनुसार वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के मामलों की जांच में विशेष सुधार किया गया है। पुलिस अब केवल छोटे स्तर के पेडलरों तक सीमित न रहकर मुख्य सप्लायरों और पूरे नेटवर्क तक पहुंचने पर काम कर रही है। इसी रणनीति के तहत इस साल अब तक बैकवर्ड लिंकिज के आधार पर 37 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जो पिछले साल की तुलना में करीब सात गुना अधिक है।

हिमाचल में शहरी निकाय चुनाव, 439 वार्डों में 1147 उम्मीदवारों के बीच मुकाबला आज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में 51 शहरी निकायों के लिए रविवार 17 मई को मतदान होगा। राज्य के 439 वार्डों में कुल 1147 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनके बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। इनमें भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों के अलावा बड़ी संख्या में निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं, जिससे कई जगह मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगा।

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शनिवार शाम तक सभी 585 मतदान केंद्रों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच गईं। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए 2340 मतदान कर्मियों और 1170 पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रत्येक मतदान केंद्र पर चार मतदान कर्मियों के साथ दो पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं, जबकि संवेदनशील

बूथों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल भी मौजूद रहेगा। इन चुनावों में चार नगर निगम धर्मशाला, मंडी, पालमपुर और सोलन के अलावा 25 नगर परिषद और 22 नगर पंचायतों के लिए मतदान कराया जाएगा। कुल 439 पदों के लिए चुनाव हो रहे हैं। चुनाव मैदान में 195 महिला उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रही हैं। राज्यभर में करीब 3 लाख 60 हजार से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 1 लाख 80 हजार से अधिक पुरुष और करीब 1 लाख 79 हजार महिला मतदाता शामिल हैं। वहीं 1808 मतदाता पहली बार मतदान करेंगे। चुनाव प्रचार शुक्रवार शाम को थम गया था। निर्वाचन आयोग ने मतदान समाप्त होने तक चुनाव क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार पर रोक लगा दी है। मतदान केंद्रों के 100 मीटर के दायरे में झंडे, पोस्टर, नारेबाजी, लाउडस्पीकर और वोट मांगने जैसी गतिविधियों पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सार्वजनिक सभा, जुलूस और नुक्कड़ सभाओं की भी अनुमति नहीं होगी। मतदान के दिन हथियार लेकर मतदान केंद्रों या उसके आसपास जाने पर भी रोक रहेगी। केवल कानून द्वारा अधिकृत व्यक्तियों को ही इसकी अनुमति होगी।

मुख्यमंत्री की दस गारंटियां पूरी करने का दावा सफेद झूठ : जयराम

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने राजनीतिक लाभ के लिए झूठ बोलने की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। कांग्रेस ने सत्ता में आने के लिए जिन झूठी गारंटियों का सहारा लिया था, उनमें से आज तक एक भी पूरी नहीं हुई है। जयराम ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस जैसा राजनीतिक दल चुनाव जीतने के लिए झूठ बोले तो समझ आता है। लेकिन संवैधानिक पद पर बैठा मुख्यमंत्री जब ऐसा सफेद झूठ कहे तो यह विशुद्ध राजनीतिक लाभ लेने की मंशा को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि वास्तविकता यह है कि प्रदेश सरकार के पास अपने कर्मचारियों को समय पर सैलरी और पेंशन देने के लिए पैसे नहीं हैं। मुख्यमंत्री जनता को लालच दे रहे हैं कि कांग्रेस के पार्षदों को जिताकर भेजो तो विकास के लिए एक-एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। जिससे साफ होता है कि यह सिर्फ वोट हथियाने और पार्षदों को खरीदने की घटिया राजनीति है जिसे जनता अब

अच्छी तरह समझ चुकी है। चारों नगर निगम चुनावों के साथ-साथ स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनावों में भाजपा शानदार प्रदर्शन कर इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। मंडी के बालीचौकी के दौरे के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं को सख्त हिदायत देते हुए एक बड़ा संगठनात्मक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उनके लिए पार्टी का निष्ठावान कार्यकर्ता हमेशा पहले है और प्रधान या अन्य पद बाद में आते हैं, इसलिए कोई भी व्यक्ति संगठन को दरकिनार करके या आपसी मतभेद पालकर पंचायत चुनाव न लड़े। बल्कि सभी लोग आपसी तालमेल और एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में उतरें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि हमेशा काम करवाने वाला होना चाहिए और जो जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनकी आवाज को सही मंच पर मजबूती से उठा सके। जनता को केवल उसी योग्य व्यक्ति का चुनाव करना चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की सुक्खू सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल और वित्तीय रूप से दिवालिया हो चुकी है, इसलिए सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर धरातल पर सक्रिय हो जाएं और सरकार की जनविरोधी नीतियों व भ्रष्टाचार को जनता के बीच ले जाकर आगामी स्थानीय निकाय व पंचायती राज चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने के साथ ही इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल करने की नींव रखें। सराज विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत गुढार और ग्राम पंचायत अनाह का सर्वसम्मति से निर्विरोध गठन हुआ है। इस ऐतिहासिक फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सराज के विधायक जयराम ठाकुर ने नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आपसी भाईचारे और एकता का यह उदाहरण पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। ग्रामीणों के इस फैसले से चुनाव में होने वाले मतभेदों से बचकर विकास को गति मिलेगी। उम्मीद है कि दोनों पंचायतें विकास, जनसेवा और सामाजिक समरसता के नए आयाम स्थापित करेंगी।

आज चारों नगर निगमों में कमल खिलाकर भाजपा को विजय बनाएं : डॉ. राजीव बिंदल

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने 17 मई को होने वाले सोलन, धर्मशाला, मंडी और पालमपुर नगर निगम चुनावों के लिए मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इन चारों नगर निगमों में भाजपा की जीत से विकास का नया दौर शुरू होगा और जनता को कांग्रेस सरकार की विफलताओं से मुक्ति मिलेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने विकास के बजाय संस्थानों को बंद करने और जनता को सुविधाओं से वंचित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बार-बार यह कहती रही कि उनके पास विकास के लिए पैसा नहीं है, जबकि भाजपा केंद्र सरकार के सहयोग से हिमाचल के विकास के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध करवाएगी। डॉ. बिंदल ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने मन बना लिया है कि अगले वर्ष प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा

की सरकार पहले से कार्य कर रही है और प्रदेश में भी भाजपा सरकार बनने के बाद विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यदि इन चारों नगर निगमों में भाजपा की नगर निगम सरकार बनती है तो सोलन, धर्मशाला, मंडी और पालमपुर में आधारभूत सुविधाओं, स्वच्छता, पेयजल, पार्किंग, सड़क और अन्य विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। डॉ. बिंदल ने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि कांग्रेस की झूठी गारंटियों और विफलताओं को जवाब देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा को वोट देकर नगर निगमों में विकास, पारदर्शिता और जनहित की सरकार स्थापित करें ताकि इन चारों शहरों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

रोहडू नप चुनाव बना महिला सशक्तिकरण की मिसाल, हर बूथ पर महिलाएं तैनात

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला जिला के रोहडू में रविवार को होने जा रहे नगर परिषद चुनाव इस बार महिला सशक्तिकरण की खास मिसाल बनने जा रहे हैं। यहां मतदान प्रक्रिया से लेकर मतगणना तक की पूरी जिम्मेदारी महिला कर्मचारियों को सौंपी गई है। प्रशासन का कहना है कि महिलाओं की भागीदारी से चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से पूरा कराया जाएगा।

रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम रोहडू धर्मेश रामौत्रा ने बताया कि नगर परिषद रोहडू के सभी 9 वार्डों में बनाए गए मतदान केंद्रों पर केवल महिला कर्मचारी ही ड्यूटी निभाएंगी। इसके लिए करीब 80 महिला कर्मचारियों की तैनाती की गई है। मतदान केंद्रों पर मतदान दल, सुरक्षा और चुनाव से जुड़े अन्य जरूरी कार्य भी महिलाएं ही संभालेंगी। प्रशासन ने मतगणना की जिम्मेदारी भी पूरी तरह महिलाओं को दी है। मतगणना कार्य को सही और पारदर्शी ढंग से पूरा करने के लिए कुल छह टीमों का गठन किया गया है। हर टीम में तीन सदस्य रखे गए हैं, जिनमें एक काउंटिंग सुपरवाइजर, एक काउंटिंग असिस्टेंट और एक माइक्रो ऑब्जर्वर शामिल हैं। इनमें से तीन टीमें सीधे मतगणना में तैनात रहेंगी, जबकि तीन टीमों को रिजर्व रखा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें तुरंत लगाया जा सके। मतगणना से पहले महिला कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण और रिहर्सल कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

चुनाव | **कर्मचारियों के मतदान से वंचित होने पर भाजपा ने सरकार को घेरा**

चुनाव ड्यूटी में लगे हजारों कर्मचारी वोट से वंचित

करीब 13 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में होने जा रहे पंचायत चुनावों के बीच भाजपा ने चुनाव ड्यूटी में लगाए गए कर्मचारियों के मतदान से वंचित होने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस सरकार और चुनाव व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं।

भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी और पूर्व सचिव प्यार सिंह कंवर ने आरोप लगाया कि करीब 13 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी में लगाने के बावजूद उनके मतदान की उचित व्यवस्था नहीं की गई, जिससे हजारों कर्मचारी अपना मताधिकार इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने शनिवार को कहा कि प्रदेश में 3758 पंचायतों, जिला परिषद के 251 वार्डों और पंचायत समिति के 1769 वार्डों में तीन चरणों में चुनाव कराए जा रहे हैं।

चुनाव प्रक्रिया को पूरा कराने के लिए लगभग 1300 पोलिंग पार्टियां बनाई गई हैं और हर पोलिंग पार्टी में करीब छह कर्मचारी तैनात किए गए हैं। लेकिन चुनाव ड्यूटी सर्टिफिकेट (ईडीसी) जारी न होने और कर्मचारियों की ड्यूटी उनके मतदान क्षेत्रों से बाहर लगाए जाने के कारण बड़ी संख्या में कर्मचारी मतदान से वंचित हो रहे हैं।

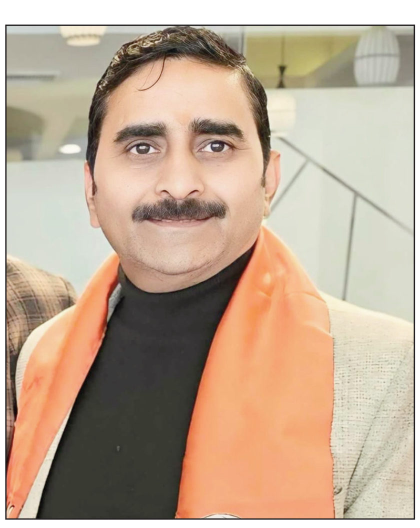

प्यार सिंह कंवर ने कहा कि पंचायत चुनावों में कई बार जीत और हार का अंतर केवल एक या दो वोट तक सीमित रहता है। ऐसे में हजारों कर्मचारियों का वोट न डाल पाना चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी पूरा दिन चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में लगे रहेंगे, वही अपने संवैधानिक अधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे, जिससे कर्मचारी वर्ग में नाराजगी है।

भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले स्थानीय निकाय और पंचायतीराज चुनावों को टालने की कोशिश की गई और अब चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के मतदान की व्यवस्था तक नहीं की गई। उनका कहना था कि यदि कर्मचारियों की ड्यूटी उनके अपने ब्लॉक या नजदीकी क्षेत्रों में लगाई जाती तो वे मतदान कर सकते थे, लेकिन इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। प्यार सिंह कंवर ने राज्य चुनाव आयोग से मांग की कि चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों के मतदान के लिए विशेष व्यवस्था की जाए ताकि कोई भी कर्मचारी अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहे। साथ ही उन्होंने कहा कि कर्मचारी वर्ग और आम जनता सरकार की कार्यशैली को देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा।

संक्षिप्त-समाचार

कठुआ में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम यूनाइट, एक्ट, एलिमिनेट का दिया संदेश

कठुआ। जिला कठुआ में 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय कठुआ सहित जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीएमओ कार्यालय में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उत्तम चंद ने सीएमओ डॉ. विजय रैना की मौजूदगी में डेंगू के लक्षण, फैलाव, बचाव, नियंत्रण और उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान 'यूनाइट, एक्ट, एलिमिनेट' थीम के तहत लोगों को डेंगू से बचाव के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर डेंगू जागरूकता वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जो आम लोगों को बरसात के मौसम में डेंगू से बचाव के प्रति जागरूक करेगी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को डेंगू होने पर एस्पिरिन और इबुप्रोफेन जैसी दवाओं से बचने की सलाह दी। अधिकारियों ने बताया कि अधिकांश डेंगू के मरीज बिना जटिलता के ठीक हो जाते हैं और जीएमसी कठुआ में जांच व इलाज की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध है। इसके अलावा जिले के हीरानगर, बिलावर, बसोहली, बनी और अन्य ब्लॉकों में भी जागरूकता अभियान चलाए गए। स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया स्टाफ को डेंगू के मामलों पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह दिवस डेंगू मुक्त भविष्य के लिए स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता और जनभागीदारी को मजबूत करने का संदेश देता है।

कोलर में हुए खूनी खेल का मुख्य सरगना दो साथियों संग चढ़ा पुलिस के हत्थे

नाहन। जिला सिरमौर के कोलर क्षेत्र में बीते 11 मई को एक दुकानदार पर तलवार और डंडों से हुए जानलेवा हमले के मामले में सिरमौर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है। वारदात के बाद से ही फरार चल रहे मुख्य आरोपी रमन सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने पड़ोसी राज्य हरियाणा से दबोच लिया है। इसके साथ ही वारदात को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल में लाई गईं दो गाड़ियों को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। यह खूनी वारदात 11 मई को कोलर में पेश आई थी, जहां पीड़ित विशाल पर कुछ बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया था। माजरा पुलिस ने विशाल की शिकायत पर तीन नामजद आरोपियों (दीपक, रमन और विक्की) सहित 5-6 अन्य लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयासजैसी गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए वारदात वाले दिन (11 मई) को ही एक नामजद आरोपी दीपक को मौके से गिरफ्तार कर लिया था और हमले में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो गाड़ी को भी उसी दिन कब्जे में ले लिया था। वारदात के बाद से फरार चल रहे मुख्य आरोपी रमन और उसके अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए पुलिस अधीक्षक सिरमौर निश्चित सिंह नेगी के निर्देशानुसार विशेष टीमों का गठन किया गया था। सिरमौर पुलिस की साइबर टीम और थाना माजरा पुलिस ने संयुक्त रूप से जाल बिछाते हुए तकनीकी विश्लेषण और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पड़ोसी राज्य हरियाणा के विभिन्न ठिकानों पर लगातार ताबड़तोड़ दबिश दी। इस सघन कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी रमन और उसके साथियों को हरियाणा में दबोचने में कामयाबी हासिल की।

भीषण आग से तीन दुकानें जलकर खाक, लाखों रुपये की संपत्ति और सामान का भारी नुकसान

जम्मू। शनिवार सुबह जम्मू जिले के अखनूर में भीषण आग लग गई जिससे तीन दुकानें जलकर खाक हो गईं और लाखों रुपये की संपत्ति और सामान का भारी नुकसान हुआ। अधिकारियों और स्थानीय लोगों के अनुसार आग ने दो हार्डवेयर स्टोर और एक मिठाई की दुकान को अपनी चपेट में ले लिया जिससे प्रतिष्ठान और अंदर रखा सामान कुछ ही समय में राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही आग की लपटें तेजी से बढ़ीं बाजार क्षेत्र में घना धुआं छा गया और पूरे इलाके में दहशत फैल गई। आग लगते ही स्थानीय लोग और दुकानदार मौके पर पहुंचे और दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आग बुझाने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि आग से प्रभावित दुकानों के अंदर रखे व्यावसायिक सामान, फर्नीचर, उपकरण और भंडारित सामग्री को भारी नुकसान हुआ। बाद में अग्निशमन और आपातकालीन सेवा कर्मियों ने आग पर काबू पाने और उसे आसपास की इमारतों में फैलने से रोकने के लिए अभियान चलाया। घटना में तत्काल किसी के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। आग लगने का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है जबकि अधिकारी नुकसान का आकलन कर रहे हैं। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए इस संबंध में औपचारिक मामला दर्ज कर लिया है।

लखनपुर के धन्ना गांव में सोते व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, 15 दिनों में तीसरी वारदात से बढ़ी चिंता

कठुआ। जिला कठुआ के लखनपुर थाना क्षेत्र के धन्ना गांव में बीती रात एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। अज्ञात हमलावर ने घर में सो रहे एक व्यक्ति को देसी बंदूक से गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया और मौके से फरार हो गयामृतक की पहचान रूप सिंह के रूप सिंह उम्र 40 वर्ष में हुई है जो अपने घर में परिवार के साथ सो रहा था। जानकारी के अनुसार रात करीब 12 बजे एक अज्ञात हमलावर सड़क की ओर से घर की खिड़की के पास पहुंचा और अंदर सो रहे रूप सिंह पर फायर कर दिया। घटना के समय उसकी पत्नी और दो बच्चे भी उसी कमरे में मौजूद थे। गोली की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल रूप सिंह को तुरंत इलाज के लिए जीएमसी कठुआ ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का जायजा लिया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके से अहम सबूत जुटाए हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
न्वोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: स्व. सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक भूपिंद्र शर्मा द्वारा मुद्रक प्रवीन तोमर की इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22 और 49, ग्राउंड फ्लोर, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-2, पंचकूला-134115 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113 से प्रकाशित।
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय पंचकूला होगा।
स्थानीय कार्यालय
180 ए, सेक्टर 19 सी, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पंचकूला, हरियाणा-134113
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpanharyana@gmail.com

मुख्यमंत्री ने किया पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 का शुभारम्भ

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026 के अंतर्गत कुरुक्षेत्र जिले का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग 16 व 17 मई को आदिबद्री में आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सर्वप्रथम सरस्वती उद्गम स्थल श्री आदिबद्री नारायण मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की तरक्की की कामना की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसके उपरांत प्रशिक्षण का शुभारम्भ किया। उन्होंने इस मौके पर हरियाणा के विकास कार्यों की प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारी सरकार ने पिछले साढ़े 11 वर्षों में प्रदेश के सर्वांगीण विकास और हर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाए हैं। पिछले विधानसभा चुनावों के संकल्प-पत्र के 217 में से 61 वादों को पूरा कर लिया है तथा 120 वादों पर काम प्रगति पर है। बहनों-बेटियों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 2100 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। अब तक 9 लाख 76 हजार बहन-बेटियों को 1 हजार 415 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। गरीब महिलाओं को अपनी रसोई चलाने के लिए, हर महीने केवल 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के लगभग 14 लाख 38 हजार पात्र बहनों के बैंक खातों में कुल 243 करोड़ रुपये की राशि डाली जा चुकी है इस पंडित दिनदयाल उपाध्याय महाभियान में दूसरे सत्र रोजी मालिक जी ने लिया उन्होंने अपने विषय में कार्यकर्ता का विकास कैसे होता है उन्होंने बताया भाजपा एक परिवार की तरह काम करता है और कसे कार्यकर्ता को सभी बढ़ कर अपने काम को करके आगे बढ़ना है। तीसरे सत्र में मुकेश गोड़ ने अपना विषय इतिहास पर बात की उन्होंने बताया की भाजपा का गठन कब हुआ कसे 2 सीटो पर भाजपा आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है भाजपा का जो नारा है सबका साथ सबका विकास जो मोदी जी का नारा है और भी महत्वपूर्ण विषय रखे। चोथे सत्र में रवीन्द्र भाटीया जी ने अपना विषय विचार परिवार में बारे में रखा उन्होंने बताया की संघ परिवार को सभी कड़ियो के बारे में बताया उन्होंने कहा की संघ कसे सभी वर्गों के लिए समाज के लिए काम कर रहा है संघ का 100 वर्ष की भी चल रहा है सभी को उसके बारे में विस्तार से बताया । इस अवसर पर कुरुक्षेत्र के भाजपा जिला अध्यक्ष तेजिन्द्र सिंह गोल्डी, पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा, पूर्व मंत्री कंवर पाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बंतो कटारिया, पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनंद, सरस्वती हेरिटेज बोर्ड के वाइस चेयरमैन धूमन सिंह किरमिच, कुरुक्षेत्र भाजपा जिला प्रभारी दीपक शर्मा, पशुधन विकास बोर्ड चेयरमैन धर्मवीर मिर्जापुर, चेयरमैन धर्मवीर डागर, वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष कलसाना, जय भगवान शर्मा,जिला परिषद चेयरमैन कवलजीत कौर, प्रदेश सचिव राहुल राणा, कुरुक्षेत्र जिला मीडिया प्रभारी ललित माटा , जिला उपाध्यक्ष अनु मलयान, देवी दयाल शर्मा, परमजीत कश्यप, रेणु खुग्गर, देश राज शर्मा, आई टी प्रमुख दीपक शर्मा, सोमपाल राणा,मुकेश गौड़, रविन्द्र भाटीया, पवन सैनी, रेखा वाल्मिकी, रविन्द्र सांगवान, महामंत्री अर्जुन त्यागी व रमेश सैनी, मास्टर सतपाल, अनु मलयान, दीपक शर्मा, देवीदयाल शर्मा सहित अन्य सभी मार्केट कमेटी चेयरमैन आदि मौजूद रहे।

सोमनाथ के लिए निशुल्क तीर्थ यात्रा का होगा आयोजन: डा अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डा अरविंद शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बेहतर तरीके से अपना फर्ज निभाते हुए बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा करवा रही है। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना सरकार का बुजुर्गों के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करती है।सरकार लगातार जनकल्याण और अंत्योदय की भावना को साकार कर रही है। सहकारिता मंत्री डा. अरविन्द शर्मा ने चरखी दादरी रेलवे स्टेशन पर नांदेड़ साहिब के लिए चलाई जा रही विशेष रेलगाड़ी को झंडी दिखाने के दौरान यह विचार रखे। उन्होंने तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत श्री नांदेड साहिब तीर्थ यात्रा ट्रेन को रवाना करने का यह अवसर केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि श्रद्धा, सेवा और सम्मान का उत्सव है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सिरसा ने प्रदेश के श्रद्धालुओं को लेकर श्री नांदेड साहिब जाने वाली ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत पवित्र श्री नांदेड साहिब की यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं को विदा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं हरियाणा के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार जनकल्याण और अंत्योदय की भावना को साकार कर रही है। यह योजना उसी सोच का परिणाम है, जिसमें सरकार केवल प्रशासन नहीं चलाती, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह अपने बुजुर्गों की भावनाओं का सम्मान करती है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि बुजुर्गों ने अपना पूरा जीवन परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के लिए समर्पित कर दिया। कई बार अपनी इच्छाओं को पीछे छोडना पडता है। तीर्थ यात्रा की इच्छा भी उनमें से एक होती है। लेकिन हरियाणा सरकार ने यह संकल्प लिया है कि आर्थिक स्थिति किसी भी श्रद्धालु की आस्था के मार्ग में बाधा नहीं बनेगी। मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा का अवसर दिया जा रहा है। इस दौरान यात्रा, भोजन, ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं का पूरा खर्च सरकार उठा रही है। आईआरसीटीसी के सहयोग से विशेष ट्रेनों द्वारा श्रद्धालुओं को सम्मान पूर्वक तीर्थ स्थलों तक लेकर जाने की शानदार व्यवस्था की गई है। यह केवल सुविधा नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान का भाव है।

उन्होंने कहा कि आज जिस पावन यात्रा की शुरूआत हो रही है, वह हमें सिख इतिहास और आस्था के महान केंद्र श्री नांदेड साहिब तक लेकर जाएगी। जोकि सिख पंथ के पांच तख्तों में से एक है।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने दिए निर्देश

- ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए गए आह्वान के मद्देनजर हुई समीक्षा बैठक, दोनों विभागों के 17 गाड़ियों पर लगाई रोक
- मंत्री ने खुद के फ्लीट को भी किया कम, बिना पायलट गाड़ी के चलेंगे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर किए गए आह्वान के मद्देनजर हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सरकारी वाहनों के सीमित उपयोग और ईंधन संरक्षण को लेकर उचित कदम उठाने बारे निर्देश दिए थे। इसी कड़ी में अब प्रदेश के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने दोनों विभागों को लेकर इस बाबत सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ा कदम उठाया है।

मंत्री श्री रणबीर गंगवा के निर्देश पर विभागों में उपयोग किए जा रहे सरकारी वाहनों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मंत्री कार्यालय की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (ढलृए) में कुल 9 तथा लोक निर्माण विभाग में कुल 8 वाहनों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने के आदेश जारी किए गए हैं। ये गाड़ियां विभाग के मुख्यालय तथा संबंधित विभाग में इस्तेमाल में थी। उन्होंने खुद के साथ चलने वाली पायलट गाड़ी को भी हटवा दिया है। पहले उनके साथ पायलट गाड़ी भी चलती थी।

मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के विजन के अनुरूप हरियाणा सरकार ईंधन संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है।

जीएमएस टंगैल को मिला हाईटेक पोडियम

सिटी दर्पण संवाददाता
बराड़ा

- शिक्षा व सामाजिक सहयोग की दिशा में सराहनीय पहल

शिक्षा एवं सामाजिक सहयोग की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए ब्लॉक समिति सदस्य आरती रानी और उनके पति संजीव कुमार ने जीएमएस टंगैल को एक आधुनिक हाईटेक पोडियम भेंट किया। इस सहयोग से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय में आयोजित सादे एवं गरिमामयी कार्यक्रम के दौरान हाईटेक पोडियम विद्यालय प्रशासन को सौंपा गया। यह पोडियम भविष्य में शिक्षा विभाग एवं विद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों के संचालन को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विद्यालय के हेडमास्टर हरविंदर छाबड़ा ने इस सहयोग के लिए आरती रानी और संजीव कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के जागरूक एवं शिक्षाप्रेमी लोगों के सहयोग से विद्यालयों को नई ऊर्जा मिलती है तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होता है। उन्होंने कहा कि हाईटेक पोडियम मिलने से विद्यालय में होने वाले कार्यक्रमों के संचालन में सुविधा होगी तथा मंच संचालन और प्रस्तुतियां अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित ढंग से आयोजित की जा सकेंगी।

विद्यालय स्टाफ ने भी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए उनके योगदान की सराहना की। विद्यालय परिवार ने आशा जताई कि भविष्य में भी इसी प्रकार समाज का सहयोग विद्यालय को मिलता रहेगा।

जीएमएस टंगैल की पूर्व छात्रा आंचल को किया सम्मानित

जीएमएस टंगैल की पूर्व छात्रा आंचल को उसके अनोखे स्केच आर्ट हुनर के लिए विद्यालय की ओर से सम्मानित किया गया। हेडमास्टर हरविंदर छाबड़ा ने आंचल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आंचल इन दिनों अपने शानदार स्केच के कारण क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। बिना किसी प्रशिक्षण के तैयार किए गए उसके स्केच लोगों को काफी प्रभावित कर रहे हैं। हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी आंचल द्वारा बनाया गया अपना स्केच देखकर उसकी कला की सराहना की थी। आंचल ने बताया कि

उसे बचपन से ही चित्रकारी का शौक रहा है और लगातार अभ्यास के दम पर उसने अपनी कला को निखारा है। वह भविष्य में स्केच आर्ट के क्षेत्र में आगे बढ़कर अपने माता-पिता और क्षेत्र का नाम रोशन करना चाहती है। इस अवसर पर ब्लॉक समिति सदस्य आरती रानी, संजीव कुमार, ब्लॉक समिति अध्यक्ष रवि शेर, एसएमसी प्रधान निशा रानी, एसएमसी प्रधान रेखा रानी, हेडमास्टर हरविंदर छाबड़ा, दुष्यंत कुमार, दीपा धीमान सहित विद्यालय स्टाफ के सदस्य मौजूद रहे।

हरियाणा के तकनीकी नवाचार को मिली वैश्विक पहचान

- अंतरिक्ष से नागरिक सेवा की अवधारणा पर किसान व आमजन के हित में नई तकनीक विकसित करने पर हरियाणा को नीदरलैंड्स में मिला जियोस्पेशियल एक्सीलेंस अवार्ड
- मुख्यमंत्री ने हरसैक की पूरी टीम को दी बधाई-शुभकामनाएं

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा को कृषि क्षेत्र में किए गए तकनीकी नवाचार तथा किसानों व पर्यावरण की मदद के लिए विकसित की गई नई तकनीक के लिए विश्व स्तर पर नई पहचान मिली है। इसके लिए नीदरलैंड के एम्स्टर्डम में आयोजित जियोस्पेशियल वर्ल्ड फोरम 2026 के दौरान हरियाणा को जियोस्पेशियल एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के नागरिक संसाधन सूचना विभाग के अंतर्गत संचालित हरियाणा अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (हरसैक) द्वारा ह्यअंतरिक्ष से नागरिक सेवाह्ण की अवधारणा पर आधारित एक व्यापक एवं यूनिफाइड जियो इनेबल्ड प्रणाली विकसित की गई है जिसके लिए हरियाणा को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया है। हरियाणा को मिले इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने हरसैक की समस्त टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए इसे हरियाणा के लिए गौरव का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि हरसैक द्वारा कृषि क्षेत्र में किसानों की मदद के लिए ईजाद की गई नई तकनीक तथा फसल अवशेष प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में किए गए नए प्रयोग प्रदेश के किसानों के साथ-साथ गवर्नेंस, विभिन्न विभागों व आमजन, विशेषकर किसान भाइयों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुए हैं। हरसैक निदेशक डॉ सुल्तान सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रोत्साहन एवं जन-केंद्रित नीतियों का परिणाम है। उनकी निर्णायक सोच ने हरियाणा को डिजिटल कृषि एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में मदद की है।उल्लेखनीय है कि हरसैक ने ह्यअंतरिक्ष से नागरिक सेवाह्ण की अवधारणा पर आधारित यूनिफाइड जियो इनेबल्ड प्रणाली विकसित की है, जो कृषि, भूमि संसाधनों तथा संबंधित क्षेत्रों में वास्तविक समय निगरानी, पारदर्शी शासन एवं वैज्ञानिक योजना निर्माण को सक्षम बनाती है। यह प्रणाली प्रति फसल सीजन में प्रदेश के 15 लाख से अधिक किसानों को सहायता प्रदान कर रही है तथा 1 करोड़ से अधिक खेतों पर कार्य कर रही है। इसके साथ ही 4000 से अधिक सक्रिय दैनिक उपयोगकर्ता भी इससे जुड़े हुए हैं जिनमें नीति निर्धारक, अधिकारी, राजस्व विभाग से संबंधित हितधारक, पटवारी, सर्वेक्षक, युवा नवाचारकर्ता, उद्यमी एवं विद्यार्थी शामिल हैं।

गौसेवा और गीता पाठ के मूल में है कृष्ण कृपा : ज्ञानानंद

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

श्री कृष्ण कृपा गौशाला में गीता मनीषा स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने गाय गोपाल और हनुमान के स्वरूप का लोकार्पण किया। इन स्वरूपों का पहले वैदिक रीति से आचार्य नरेश के नेतृत्व में ब्राह्मणों ने विधिवत पूजन किया। गीता मनीषी ने यज्ञ पूणाहूति भी डाली। गीता मनीषी के जन्मदिन के अवसर पर श्रद्धालुओं ने स्वामी जी को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपने आशीर्वचन में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने श्रद्धालुओं से गौसेवा, गीता पाठ और प्रतिदिन मंत्र जाप करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गऊसेवा और गीता पाठ के मूल में भगवान कृष्ण की कृपा है। जीवन को सार्थक ढंग से जीने के लिए गीता का पाठ करना चाहिए। जीवन की पूंजी आनंदमय है और इससे प्रभु की कृपा भी मिलती है। भगवान के प्रति समर्पित होकर जीवन जीने से प्रभु कृपा बनी रहती है।गीतापाठ से सात्विक वातावरण बनता है। जहां भगवान की कृपा होती है वहीं आनंद होता है। अपने संबोधन में हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जहां देश संविधान से चलता है वहीं समाज संतों की वाणी से चलता है। गीता मनीषी का जीवन गाय और गीता के प्रति समर्पित है। कुरुक्षेत्र की धरा पर युद्ध की भूमि में गीता उपदेश हुआ। सारे जीवन की समस्याओं का समाधान गीता में है। उन्होंने कहा कि संतों की कृपा से जीवन सफल होता है। गौसेवा पर बल देते हुए श्याम सिंह राणा ने कहा कि सनातन संस्कृति में गौसेवा का बड़ा महत्त्व है। इस अवसर पर गीता मनीषी ने आशीर्वाद स्वरूप कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, गौसेवा आयोग हरियाणा के चेयरमैन श्रवण गर्ग, समाजसेवी महावीर मढाण, मदन मोहन छाबड़ा, विजय नरूला, कुंटिया की प्रधान रजवंत कौर तथा धीरज वालिया को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में श्री कृष्ण कृपा गौशाला के प्रधान सुनील वत्स, जीओ गीता के प्रधान डॉ. ऋषिपाल, संरक्षक हंसराज सिंगला, मंगत राम सिंगला, रमाकांत, पवन भारद्वाज, श्याम आहूजा, मीडिया प्रभारी रामपाल शर्मा, श्री हनुमान मंदिर सभा के प्रधान कृष्ण धमीजा व फतेहचंद गांधी ,महेंद्र आलमपुर, सतीश टामक, अनिल शर्मा प्राध्यापक डाइट पलवल, अशोक यादव सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने गीता मनीषी का आशीर्वाद लिया।

तकनीकी दक्षता और कौशल आधारित शिक्षा समय की मांग: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

- कुवि के सीडीओई के ऑनलाइन इंटर्नशिप प्रोग्राम युवाओं के करियर को देंगे नई दिशा, 50 से अधिक रोजगारपरक कोर्स शुरू

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर डिस्टेंस एंड ऑनलाइन एजुकेशन (सीडीओई) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं उद्योग आधारित शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ऑनलाइन इंटर्नशिप प्रोग्राम शुरू किए गए हैं। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में शुरू की गई इस अभिनव पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों को डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनालिटिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी, मैनेजमेंट, नेतृत्व विकास तथा संचार कौशल जैसे आधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने यूजीसी की इंडस्ट्री कनेक्ट पहल के अंतर्गत अपग्रेड (नचळतंक) के सहयोग से इन इंटर्नशिप कार्यक्रमों को प्रारंभ किया है।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है और केवल पारंपरिक डिग्री पर्याप्त नहीं है। उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी दक्षता, नेतृत्व क्षमता और व्यवहारिक कौशल अत्यंत आवश्यक हो गए हैं।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तैयार करना तथा उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 विद्यार्थियों को अनुभवात्मक शिक्षा और कौशल आधारित प्रशिक्षण से जोड़ने पर बल देती है और विश्वविद्यालय उसी दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है।

बृज क्षेत्र का चौपाइयों, जिक्री, रसिया और नगाड़ों के माध्यम से संस्कृति, इतिहास और भाईचारे का दे रहा है संदेश: महीपाल ढांडा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि आधुनिकता के दौर में कहीं न कहीं हमारी पुरानी परंपराएं लुप्त व कमजोर होती जा रही थीं, लेकिन जाट समाज विकास समिति ने उन्हें पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया है। उन्होंने कहा कि चौपाइयों और नगाड़ों के माध्यम से युवाओं को अपनी संस्कृति, संस्कार और इतिहास से जोडने का कार्य किया जा रहा है, जिससे आने वाली पीढियों को प्रेरणा मिलेगी।

मंत्री आज पलवल स्थित जाट धर्मशाला में जाट समाज विकास समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय चौपाई महाकुंभ कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के खेल राज्यमंत्री श्री गौरव गौतम ने की।

शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि चौपाई महामेला में बृज क्षेत्र का चौपाइयों, जिक्री, रसिया और नगाड़ों के माध्यम से हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखने का एक सराहनीय प्रयास है।

उन्होंने कहा कि समाज की पुरानी परंपरा हमें हर परिस्थिति में तैयार रहने, साहस और प्रेरणा देने का कार्य करती थीं। उन्होंने कहा कि ऐसी परंपराएं लुप्त नहीं होनी चाहिए बल्कि इन्हें और अधिक मजबूत किया जाना चाहिए। मंत्री ने जाट धर्मशाला के विकास के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की और साथ ही एक आधुनिक लाइब्रेरी तैयार करवाने की भी घोषणा की।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2013-14 में सरकारी स्कूलों का दसवीं कक्षा का परिणाम लगभग 48 प्रतिशत तथा 12वीं का परिणाम करीब 53 प्रतिशत था। वर्तमान प्रदेश सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार किए गए और व्यवस्थाओं को ठीक करते-करते सरकारी स्कूलों का परिणाम 70 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया। उन्होंने कहा कि परिणामों में सुधार होने से शिक्षकों और विद्यार्थियों का हौसला भी बढ़ा। आज स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों और सीबीएसई स्कूलों के परिणामों में केवल दो-तीन प्रतिशत का ही अंतर रह गया है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि सरकारी स्कूलों के श्रेष्ठ गुरुजनों की मेहनत और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के तरीके का परिणाम है।

हरियाणा के खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम ने कहा कि पलवल क्षेत्र का चौपाई महामेला एक अनोखा आयोजन है, जो चौपाइयों और नगाड़ों के माध्यम से छत्तीस बिरादरी को जोडने और भाईचारे का संदेश देने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि चौपाइयों के माध्यम से युवाओं को क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास और वीर महापुरुषों जैसे दादा कान्हा रावत, महाराजा सूरजमल और राजा नाहर सिंह के संघर्षों से अवगत कराया जाता है।

संक्षिप्त-समाचार

ड्रोन आधुनिक दौर में सबसे उपयोगी यंत्र: डॉ आनन्द सिंह

कुरुक्षेत्र। ड्रोन आधुनिक दौर में सबसे उपयोगी यंत्र है। इसका प्रयोग आज कई क्षेत्रों में किया जा रहा है; जोकि बहुत कारगर है।यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ आनन्द सिंह ने शनिवार को यूनिवर्सिटी सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल में राष्ट्रीय तकनीकी दिवस के अवसर पर एडवांस ड्रोन टेक्नोलॉजी विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ड्रोन का प्रयोग कृषि से लेकर युद्ध में किया जा रहा है। छात्रों को ड्रोन के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्होंने छात्रों को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने हैल्मेट और सीट बैल्ट लगाने के लिए छात्रों को प्रेरित किया। स्कूल परिसर में पहुंचने पर स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ सुखविंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया। डॉ सुखविंद्र सिंह ने कहा छात्रों को यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।इस उम्र में यदि उन्हें अच्छी आदत पड़ गईं तो जीवन में कोई दिक्कत नहीं होगी। इसलिए अभी ये छात्र यातायात नियमों का पालन करे और अपने अभिभावकों को भी यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें।इस अवसर पर स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक और गैर शिक्षक कर्मचारी भी उपस्थित थे।

प्राकृतिक और जैविक खेती करने वाले किसानों को मिलेगा पांच वर्षों तक 10 हजार रुपये प्रति एकड़ अनुदान

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिले में प्राकृतिक और जैविक खेती को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए किसानों को पांच वर्षों तक 10 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान राशि प्रदान की जाएगी। अहम पहलू यह है कि इस पहल का उद्देश्य न केवल किसानों की आय में वृद्धि करना है, बल्कि भूमि की उर्वरता को बनाए रखते हुए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को भी कम करना है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि बदलते समय में उपभोक्ता भी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं और जैविक उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। जो किसान प्राकृतिक या जैविक खेती अपनाएंगे, उन्हें अगले पांच वर्षों तक प्रति एकड़ प्रति वर्ष 10 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। हालांकि, इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसानों को अपनी उपज का प्रमाणन पहले से ही करवाना अनिवार्य होगा, जिससे उनके उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, मिट्टी की गुणवत्ता सुधार और लोगों को स्वस्थ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

कुमारी सैलजा ने भाजपा सरकार की नीतियों को बताया व्यापारी, किसान और मजदूर विरोधी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश का व्यापारी, किसान, मजदूर और छोटे उद्योगों से जुड़े करोड़ों लोग गंभीर संकट में हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सोने के आभूषण न खरीदने की अपील और उसके बाद सोने-चांदी पर आयात शुल्क बढ़ाने से ज्वेलरी उद्योग से जुड़े करोड़ों परिवारों की रोजी-रोटी पर सीधा हमला हुआ है। कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में ज्वेलरी और स्वर्णकार उद्योग से करोड़ों लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें छोटे दुकानदार, सुनार, कारीगर और मजदूर शामिल हैं। यह क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार और निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देता है, लेकिन भाजपा सरकार की नीतियों से यह पूरा कारोबार मंदी और असुरक्षा के दौर में पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी, गलत जीएसटी, अनिवार्य हॉलमार्किंग और अब आयात शुल्क बढ़ाने जैसे फैसलों ने छोटे कारोबारियों की कमर तोड़ दी है। सांसद ने कहा कि सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने से तस्करी को बढ़ावा मिलेगा और इसका नुकसान ईमानदार व्यापारियों तथा छोटे ज्वेलर्स को उठाना पड़ेगा। सरकार को ज्वेलरी उद्योग पर बोझ डालने की बजाय घरेलू गोल्ड मोबिलाइजेशन, रिसाइक्लिंग और छोटे कारोबारियों को राहत देने की दिशा में कदम उठाने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों से केवल ज्वेलरी उद्योग ही नहीं बल्कि किसान, व्यापारी और मजदूर सभी परेशान हैं। बढ़ती बेरोजगारी, बंद होते एम एस एम ई और महंगाई ने आम आदमी का जीवन कठिन बना दिया है। उन्होंने मांग की कि केंद्र सरकार ज्वेलरी उद्योग और छोटे व्यापारियों के लिए विशेष आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा करे ताकि करोड़ों परिवारों की आजीविका सुरक्षित रह सके। कुमाारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश के मेहनतकश कारीगरों, व्यापारियों, किसानों और मजदूरों के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी रोजी-रोटी बचाने के लिए संसद से सडक तक संघर्ष जारी रखेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना बेहतरीन पहल, लाखों श्रद्धालु हो रहे लाभान्वित: विपुल गोयल

चंडीगढ़। हरियाणा से मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत तख्त सचखंड श्री हुजुर साहिब नांदेड़ के लिए सिरसा से रवाना हुई ट्रेन शुक्रवार देर रात्रि दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर पहुंची। इस ट्रेन में हरियाणा सोनीपत और पंचकूला जिला के 56 यात्री रवाना हुए। सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने यात्रियों को शुभकामनाएं दी। ट्रेन रवाना करने से पहले संबोधित करते हुए शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना हरियाणा सरकार की एक बेहतरीन पहल है। इस योजना के अंतर्गत हरियाणा प्रदेश के लाखों श्रद्धालु लाभ उठा रहे हैं। इस योजना के लाभार्थी अयोध्या, प्रयागराज और नांदेड़ जैसे आध्यात्मिक स्थलों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि योजना की लोकप्रियता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अन्य प्रदेश भी इसका अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत देश की सभ्यता और संस्कृति बड़ी समृद्ध है, जिसमें हजारों साल पुराने वे धार्मिक स्थल हैं, जिनकी पौराणिक मान्यता है। हर धार्मिक प्रवृत्ति का इंसान चाहता है कि उनको ऐसे स्थानों पर जाने का अवसर मिले। यही अवसर उन्हें सरकार ने प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इस योजना में सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को निःशुल्क तीर्थ यात्रा करवा रही है। इस योजना में वे परिवार आते हैं, जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपए तक है। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने स्टेशन पर श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

संपादकीय

ओलंपिक की मेजबानी से विश्व की विकास-शक्ति तक: प्रधानमंत्री मोदी के भारत के चार महास्वप्न

आज का भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं है – यह एक ऐसा राष्ट्र है जो विश्वमंच पर अपनी उपस्थिति को नए और निर्णायक तरीके से दर्ज करना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सामने एक विराट दृष्टि रखी है – वर्ष 2047 तक एक विकसित भारत का निर्माण। इस दृष्टि के केंद्र में चार महत्वाकांक्षाएँ हैं जो परस्पर एक-दूसरे से जुड़ी हैं और मिलकर भारत को एक नई वैश्विक पहचान देने का मार्ग प्रशस्त करती हैं। ये चार महास्वप्न हैं – ओलंपिक खेलों की मेजबानी, विश्व की आर्थिक विकास-शक्ति बनना, खेल संस्कृति को सॉफ्ट पावर में बदलना और वैश्विक कूटनीति में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना। ये चारों लक्ष्य अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही महायज्ञ के चार स्तंभ हैं। भारत ने आधिकारिक रूप से 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए अपना आशय-पत्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को सौंप दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में आयोजित क्व्ऊ सत्र में स्वयं घोषणा की थी कि ओलंपिक की मेजबानी न केवल उनकी इच्छा है, बल्कि यह 140 करोड़ भारतीयों का साझा सपना है। गुजरात के अहमदाबाद शहर को इस आयोजन के प्रस्तावित मेजबान केंद्र के रूप में चुना गया है, जहाँ विश्व का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम – नरेंद्र मोदी स्टेडियम – पहले से ही स्थित है। इससे पहले, 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी भी अहमदाबाद को मिल चुकी है, जो इस दिशा में एक महत्वपूर्ण और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला पड़ाव है। सरकार ने इस लक्ष्य को पाने के लिए खेल अवसंरचना पर भारी निवेश किया है। पिछले एक दशक में खेल बजट तीन गुना से अधिक बढ़कर लगभग 3,794 करोड़ रुपये प्रति वर्ष हो गया है। इसमें खेलो इंडिया कार्यक्रम को 1,000 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड राशि आवंटित की गई है। देशभर में 1,045 से अधिक खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं जो लगभग 3,000 खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, पोषण, चिकित्सा सहायता और वित्तीय सहयोग दे रहे हैं। भारत की इस तैयारी की झलक 2023 के एशियाई खेलों में भली-भाँति दिखी, जब भारत ने अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 107 पदक जीते। यह आँकड़ा बताता है कि जमीन पर बदलाव वास्तविक और ठोस है। आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। मोदी सरकार का स्पष्ट संकल्प है कि 2047 तक भारत एक पूर्ण विकसित देश बने और वैश्विक आर्थिक विकास का मुख्य इंजन बनकर उभरे। इस दिशा में डिजिटल अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी नवाचार और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन योजनाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। रहन-सहन का स्तर सुधारना, परिवहन अवसंरचना का आधुनिकीकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना और तकनीक व नवाचार का वैश्विक केंद्र बनना – ये सब उस बड़े आर्थिक विजन के अभिन्न अंग हैं। ओलंपिक जैसे महा-आयोजनों की मेजबानी भी इसी आर्थिक विस्तार की एक सोची-समझी कड़ी है, क्योंकि इससे पर्यटन, रोजगार, बुनियादी ढाँचे और वैश्विक निवेश को एक साथ बड़ा प्रोत्साहन मिलता है। खेल और अर्थव्यवस्था का यह गठबंधन भारत की दीर्घकालिक रणनीति का केंद्रबिंदु है। प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट मत है कि भारत की खेल संस्कृति जितनी समृद्ध होगी, देश की सॉफ्ट पावर उतनी ही मजबूत होगी। क्रिकेट में भारत पहले से ही विश्व में सर्वोच्च स्थान रखता है – IPL दुनिया की सबसे अमीर और सर्वाधिक देखी जाने वाली फ्रेंचाइजी लीगों में अग्रणी है। खेलो भारत नीति के अंतर्गत देशभर में पंद्रह से अधिक पेशेवर खेल लीगें सक्रिय हैं जो जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को तराश रही हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण ने देश के कोने-कोने में उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए हैं जहाँ विश्वस्तरीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध है। वर्ष 2026 में भारत ने पुरुष T20 विश्व कप, महिला प्रीमियर लीग, बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप और एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी करके अपनी संगठन-क्षमता का प्रभावशाली परिचय दिया है। इसके अलावा, 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी सुनिश्चित करने में भारतीय खेल अधिकारियों की भूमिका निर्णायक रही, जो इस बात का प्रमाण है कि भारत अब वैश्विक खेल राजनीति में भी सक्रिय खिलाड़ी बन चुका है। खेल कभी केवल मैदान तक सीमित नहीं रहा – यह अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का एक अत्यंत सशक्त माध्यम भी है। मोदी सरकार इस तथ्य को गहराई से समझती है और इसीलिए ओलंपिक मेजबानी को महज एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक अवसर के रूप में देखती है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के समक्ष भारत को नैतिक प्रशासन, लैंगिक समानता, एथलीट सुरक्षा और वित्तीय पारदर्शिता के उच्च मानकों पर खरा उतरना होगा। इसी के अनुरूप राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम लागू किया गया है जो खेल संघों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। एक जिम्मेदार, सक्षम और प्रगतिशील राष्ट्र की यह छवि वैश्विक मंच पर भारत की कूटनीतिक साख को नई ऊँचाई देती है। इन चारों महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के मार्ग पर कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने हैं जिनसे आँखें मूँदना उचित नहीं होगा। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व में गठित टास्क फोर्स ने 2025 में स्पष्ट रूप से चिह्नित किया कि राष्ट्रीय खेल संघों में प्रशासनिक कमजोरियाँ, जवाबदेही का अभाव और प्रशिक्षित प्रशासनिक कैडर की कमी बड़ी बाधाएँ हैं। कुपोषण जैसी सामाजिक समस्याएँ भी जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों की क्षमता को सीमित करती हैं। इन कमियों को दूर किए बिना ओलंपिक जैसे विशाल आयोजन की सफलता और उससे मिलने वाली वैश्विक प्रतिष्ठा अधूरी रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि खेल प्रशासन को पेशेवर, पारदर्शी और राजनीतिक दबाव से पूरी तरह मुक्त बनाया जाए। प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को दीर्घकालिक और संस्थागत समर्थन मिले। खेल को केवल संभ्रांत वर्ग की गतिविधि न रहने दिया जाए, बल्कि उसे गाँव-गाँव और गली-गली तक पहुँचाया जाए ताकि भारत की असली प्रतिभा सामने आ सके। भारत के ये चार महास्वप्न – ओलंपिक मेजबानी, वैश्विक आर्थिक नेतृत्व, खेल सॉफ्ट पावर और कूटनीतिक प्रतिष्ठा – एक-दूसरे के पूरक और प्रेरक हैं। यदि इन्हें समग्र दृष्टि, सुशासन और ठोस क्रियान्वयन के साथ आगे बढ़ाया जाए, तो 2036 का ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं होगा। वह विश्व को भारत की नई शक्ति, नई संभावनाओं और नए नेतृत्व का परिचय देने का एक ऐतिहासिक अवसर होगा। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के शब्दों में – 'भारत आज आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा से भरे मनोभाव के साथ वैश्विक खेल के भविष्य को आकार देने के लिए तैयार है।' यही भावना, यही दृढ़ संकल्प और यही जनशक्ति – भारत की सबसे बड़ी पूँजी है और विश्व-नेतृत्व की ओर हमारी सबसे मजबूत नींव भी।

भोजशाला : जब इतिहास की राख से फिर सभ्यता बोल उठी

प्रणय विक्रम सिंह (हि.स)

सभ्यताएं केवल पत्थरों, प्राचीरों और पुरातात्विक अवशेषों से नहीं बनतीं। वे स्मृतियों, श्रद्धा, ज्ञान और आत्मा के उन अदृश्य सूत्रों से निर्मित होती हैं, जिन्हें तलवारें काट नहीं सकतीं, फरमान मिटा नहीं सकते और आक्रमण पराजित नहीं कर सकते।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने भोजशाला-कमाल मौला कॉम्प्लेक्स की धार्मिक प्रकृति को भगवती वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर माना है। यह राजा भोज (परमार वंश) द्वारा स्थापित संस्कृत शिक्षा केंद्र था।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा धार स्थित भोजशाला-कमाल मौला परिसर की धार्मिक प्रकृति को भगवती वाग्देवी (मां सरस्वती) का मंदिर मानना केवल एक न्यायिक निर्णय नहीं, बल्कि उस सभ्यतागत सत्य की पुनर्पुष्टि है, जिसे सदियों तक धूल, ध्वंस और दमन के नीचे दबाने का प्रयास किया गया, किन्तु जिसे मिटाया नहीं जा सका।

यह वही भोजशाला है, जिसे परमार वंश के महान प्रतापी राजा भोज ने ज्ञान, संस्कृत और मां वाग्देवी की आराधना के केंद्र के रूप में स्थापित किया था। यहां केवल पूजा नहीं होती थी, यहां भारत की वैदिक चेतना श्वास लेती थी। यहां शब्द साधना थी, शास्त्रार्थ था, संस्कृत की स्वर लहरियां थीं और ज्ञान को ईश्वर मानने वाली भारतीय सभ्यता का आलोक था। यह केवल मंदिर नहीं था, यह भारतीय बौद्धिकता, भारतीय ज्ञान और भारतीय अध्यात्म का समन्वित विश्वविद्यालय था। किंतु भारत के इतिहास का एक लंबा कालखंड ऐसा भी रहा, जब बाहरी आक्रमणकारियों ने इस भूमि की आत्मा को तोड़ने का प्रयास किया। मंदिरों को केवल पत्थरों का ढांचा नहीं समझा गया, उन्हें भारतीय समाज की सांस्कृतिक रीढ़ मानकर लक्ष्य बनाया गया। क्योंकि आक्रमणकारी जानते थे कि यदि किसी सभ्यता की स्मृतियों, प्रतीकों और आस्था केंद्रों को ध्वस्त कर दिया जाए तो उसके आत्मविश्वास को घायल किया जा सकता है।

सोमनाथ से काशी तक, मथुरा से मार्तंड तक और भोजशाला से नालंदा तक इतिहास के पन्नों पर ऐसे असंख्य रक्तरंजित अध्याय अंकित हैं, जहां केवल इमारतें नहीं टूटीं, बल्कि भारतीय अस्मिता को अपमानित करने का सुनियोजित प्रयास हुआ। आक्रमण केवल भूभाग पर नहीं, भारत की स्मृति पर था।

पुस्तकालय जलाए गए, विद्यापीठ ध्वस्त किए गए, मूर्तियों को खंडित किया गया और सभ्यता की स्मृतियों पर पराये प्रतीकों का आवरण चढ़ाने का प्रयास किया गया। भोजशाला भी उसी पीड़ा की साक्षी बनी। जहां कभी सरस्वती वंदना गूंजती थी, वहां इतिहास को बदलने के प्रयास हुए। जहां ज्ञान का दीप प्रज्वलित था, वहां पहचान का अंधकार थोपा गया। किन्तु सनातन की विशेषता यही है कि वह पराजित नहीं होता। वह प्रतीक्षा करता है। वह सहता है। वह समय के गर्भ में सत्य को सुरक्षित रखता है।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उपलब्ध ऐतिहासिक साहित्य, पुरातात्विक साक्ष्यों, सतत उपासना परंपरा और वैज्ञानिक जांच के आधार पर यह स्पष्ट किया कि भोजशाला मां वाग्देवी का प्राचीन मंदिर एवं संस्कृत शिक्षा का केंद्र था। यह निर्णय किसी भावनात्मक आवेग का परिणाम नहीं, बल्कि संवैधानिक प्रक्रिया, पुरातात्विक परीक्षण और न्यायिक विवेक की कसौटी पर आया हुआ निर्णय है।यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि न्यायालय ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) जैसी विशेषज्ञ संस्था की जांच, दोनों पक्षों की दलीलों, ऐतिहासिक प्रमाणों और प्रत्यक्ष निरीक्षण के बाद यह निर्णय दिया। यह बताता है कि भारत का संविधान और न्यायपालिका सत्य तक पहुंचने की क्षमता रखते हैं, यदि धैर्य और विश्वास बनाए रखा जाए।

यह निर्णय सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक भारत में ऐतिहासिक सत्य पर चर्चा को ही विवाद बना दिया गया। सभ्यतागत पीड़ा की अभिव्यक्ति को सांप्रदायिकता कहकर दबाने का प्रयास हुआ। मंदिर विध्वंसों की स्मृतियों को 'अतीत भूल जाओ' कहकर ढंकने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई भी समाज अपने घावों को स्वीकार किए बिना स्वस्थ नहीं हो सकता। भोजशाला का निर्णय इस बात का संकेत है कि आधुनिक भारत अब अपनी सभ्यता के इतिहास से आंखें चुराने के बजाय उसका संतुलित और तथ्याधारित पुनर्पाठ करने को तैयार है।

राजनीतिक दृष्टि से भी यह निर्णय भारत की बदलती चेतना का प्रतीक है। यह उस 'नए भारत' का संकेत है, जो अपनी सांस्कृतिक जड़ों को लेकर संकोचग्रस्त नहीं है। जो यह मानता है कि विकास और विरासत साथ-साथ चल सकते हैं। जो मंदिरों को केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्मृति और सभ्यतागत पहचान के केंद्र के रूप में देखता है।

यह निर्णय उन करोड़ों भारतीयों के मन में विश्वास भी जगाता है, जिन्होंने दशकों तक यह अनुभव किया कि उनकी आस्था, उनकी पीड़ा और उनकी सांस्कृतिक स्मृतियां सार्वजनिक विमर्श में उपेक्षित रहीं। भोजशाला का निर्णय उन्हें यह आश्वासन देता है कि संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया के भीतर रहते हुए भी ऐतिहासिक न्याय संभव है। इस निर्णय का सबसे बड़ा संदेश यह है कि सनातन केवल पूजा पद्धति नहीं, बल्कि एक जीवित सभ्यता है। उसे तलवारों से घायल किया जा सकता है, लेकिन समाप्त नहीं किया जा सकता। आज भोजशाला का प्रश्न केवल एक मंदिर का प्रश्न नहीं है। यह भारत की उस ज्ञान परंपरा का प्रश्न है, जिसने विश्व को व्याकरण दिया, दर्शन दिया, गणित दिया, अध्यात्म दिया। यह उस सांस्कृतिक अस्मिता का प्रश्न है, जिसे बार-बार मिटाने का प्रयास हुआ, लेकिन जो हर बार और अधिक तेजस्विता के साथ पुनः खड़ी हो गई।

न्यायालय द्वारा लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमा को भारत वापस लाने की दिशा में विचार करने संबंधी टिप्पणी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वह प्रतिमा केवल मूर्ति नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। उसका पुनः भोजशाला में स्थापित होना वस्तुतः इतिहास की टूटी हुई कड़ी का पुनसंयोजन होगा। वह केवल प्रतिमा की वापसी नहीं होगी, वह भारतीय आत्मा की घर-वापसी होगी। किन्तु इस निर्णय को प्रतिशोध या पराजय के भाव से नहीं देखा जाना चाहिए। यह किसी समुदाय की हार नहीं है। यह ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है। अब आवश्यकता भोजशाला को पुनः ज्ञान और संस्कृत साधना के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की है। वहां पुनः वेदों की ऋचाएं गूंजें। वहां पुनः संस्कृत का अध्ययन हो। वहां पुनः भारत की ज्ञान परंपरा विश्व को दिशा दे। वहां पुनः यह सिद्ध हो कि यह भूमि केवल आस्था की नहीं, ज्ञान की भी जननी है। तभी यह निर्णय अपने पूर्ण अर्थ को प्राप्त करेगा। भोजशाला हमें याद दिलाती है कि इतिहास का सत्य देर से लौट सकता है, लेकिन लौटता अवश्य है। और जब सत्य लौटता है, तब केवल एक भवन नहीं जीतता... सभ्यता मुस्कुराती है, इतिहास की राख से फिर सरस्वती उठ खड़ी होती हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेषः आज कार्यक्षेत्र में आपको कुछ महत्वपूर्ण और सख्त फैसले लेने पड़ सकते हैं। दूसरों पर अत्यधिक निर्भर रहना आपके लिये नुकसानदायक हो सकता है। पारिवारिक वातावरण सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन बातचीत के दौरान कटु शब्दों के प्रयोग से बचें। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आज आप जिस कार्य की शुरूआत करेंगे, उसे पूरा करके ही संतुष्ट होंगे। व्यापारिक गतिविधियाँ काफी व्यस्त रखेंगी और कार्यक्षेत्र में आपके प्रदर्शन की सराहना होगी। रचनात्मक और कलात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः आर्थिक मामलों को लेकर मन थोड़ा चिंतित रह सकता है। मानसिक शांति बनाए रखना आपके लिये बेहद जरूरी होगा। घरेलू खर्च बढ़ने से बजट प्रभावित हो सकता है। कुछ स्वार्थी लोग आपके आसपास सक्रिय रहेंगे, इसलिए अपनी निजी बातें सोच-समझकर साझा करें। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः दिन की शुरूआत किसी सुखद समाचार के साथ होने की संभावना है। व्यापार में उम्मीद से अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी और आप साथी को पर्याप्त समय देंगे। कार्य की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलेगा। *(सिटी दर्पण)*

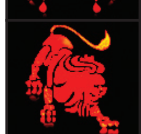
सिंहः अपने कार्य के प्रति समर्पित रहें, इससे आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। मन में संतोष की भावना बनी रहेगी। कारोबार में कोई बड़ा ऑर्डर मिलने की संभावना है। सरकारी नौकरी करने वालों का मन काम में कम लगेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः आज धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में मन कम लग सकता है। पिता के किसी निर्णय से असहमति या नाराजगी महसूस हो सकती है। अनावश्यक गतिविधियों में समय बर्बाद करने से बचें। सहकर्मियों का सहयोग आपके लिये फायदेमंद रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः धन संबंधी मामलों में कुछ कमी या असंतोष महसूस हो सकता है। लोगों से अधिक सलाह लेने के बजाय अपने निर्णयों पर भरोसा करें, अन्यथा भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। महिलाओं को अपने व्यवहार में संयम बनाए रखना चाहिये। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः नई तकनीकों और आधुनिक कार्यशैली के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने से आत्मविश्वास मजबूत होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आने की संभावना है। आँखों में जलन या सिरदर्द जैसी समस्या परेशान कर सकती है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः आपकी सलाह से लोगों को लाभ मिलेगा और समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अचल संपत्ति खरीदने का विचार मन में आ सकता है। परिवार का वातावरण सुखद और शांतिपूर्ण रहेगा। पुराने कर्ज को चुकाने का प्रयास करेंगे। *(सिटी दर्पण)*

मकरः कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव और सुधार करने की आवश्यकता महसूस होगी। आपकी दिनचर्या थोड़ी अव्यवस्थित रह सकती है। दोपहर के बाद का समय आपके लिये अधिक सुखद और अनुकूल साबित होगा। लंबी दूरी की यात्रा के योग बन रहे हैं। *(सिटी दर्पण)*

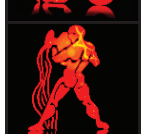
कुंभः आज आपके भीतर साहसिक कार्य करने का उत्साह रहेगा। अपनी कुछ कमियों को लेकर मन में असंतोष रह सकता है। अहंकारपूर्ण व्यवहार से करीबी लोग नाराज हो सकते हैं, इसलिए विनम्रता बनाए रखें। अधिकारियों और वरिष्ठ लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करना आपके लिये लाभकारी रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मीनः मानसिक रूप से आप काफी मजबूत और आत्मविश्वासी रहेंगे। प्रियजनों के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। मीडिया, संचार और रचनात्मक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। अधीनस्थ कर्मचारी और सहयोगी आपसे प्रसन्न रहेंगे। *(सिटी दर्पण)*

आईटी नियम दूसरा संशोधन, 2026: भारत के डिजिटल शासन की ओर एक बड़ा कदम

वैभव गग्गर

काम्या वहल

भारत का डिजिटल इकोसिस्टम तेजी से विकसित हुआ है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अब लोगों के संवाद करने और जानकारी तक पहुँचते के तरीकों में केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। इसने जवाबदेही और ऑनलाइन नुकसान को लेकर नई चुनौतियाँ भी पेश की हैं और मौजूदा नियामक व्यवस्था को तदनुसार विकसित होने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यस्थ दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित बदलाव, जो 30 मार्च, 2026 को प्रकाशित किए गए हैं, भारत की डिजिटल नियामक व्यवस्था में प्रक्रिया से जुड़ी कमियों को दूर करने के लिए एक बड़े कदम को प्रतिबिंबित करते हैं। इन मसौदा संशोधनों का उद्देश्य भाग क्क के तहत मंत्रालय द्वारा जारी स्पष्टीकरण, परामर्श और दिशा-निर्देशों के अनुरूप मध्यस्थों के अनुपालन को मजबूत करना और भाग ||| के तहत डिजिटल मीडिया से संबंधित कंटेंट नियमन व्यवस्था की नियामक निगरानी के प्रभाव को बढ़ाना है।

सबसे पहले, नियम 3(1)(जी) और 3(1)(एच) के तहत डेटा रखरखाव की जिम्मेदारियों के संबंध में स्पष्टीकरण है। प्रस्तावित संशोधन स्पष्ट करता है कि रखरखाव आवश्यकताओं से जुड़े नियम; अन्य लागू कानूनों के तहत निर्धारित जिम्मेदारियों के अतिरिक्त हैं। इससे वह अस्पष्टता दूर होती है जिसने कभी-कभी मध्यस्थों को अलग-अलग या न्यूनतम अनुपालन दृष्टिकोण अपनाने की अनुमति दी है। आईटी अधिनियम डिजिटल प्लेटफॉर्म को अकेले काम करने की अनुमति नहीं देता। उन्हें आपराधिक प्रक्रिया कानून, वित्तीय नियम और केवल उनके उद्योग पर लागू होने वाले नियमों का भी पालन करना होता है। इस अर्थ में, यह स्पष्टीकरण अर्थपूर्ण और आवश्यक है। सबसे महत्वपूर्ण यह कि संशोधन रखरखाव से संबंधित है, पहुँच से नहीं। ऐसे डेटा का खुलासा कानूनी प्रक्रियाओं और सांविधिक सुरक्षा के अधीन रहता है। हालांकि इस प्रकार की एक सामान्य संरक्षण धारा को इस रूप में पढ़ा जा सकता है कि यह उकसाने वाला, अतिव्यापी या यहाँ तक कि मध्यस्थों द्वारा उपयोगकर्ता डेटा के अनिश्चितकालीन रखरखाव के बारे में है, क्योंकि विभिन्न कानूनी दस्तावेज आवश्यकता, उद्देश्य की सीमा या आनुपातिकता का संदर्भ दिए बिना ही ऐसी शर्तें लागू करते हैं। ऐसी चिंताओं को दूर करने के लिए एक स्पष्टीकरण जारी किया जा सकता है, यदि भविष्य में ऐसी चिंता सामने आती है।

दूसरा, प्रस्तावित नियम 3(4) को जोड़ना है, जो मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श, स्पष्टीकरण और मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को आईटी अधिनियम की धारा 79 के तहत दायित्वपूर्ण कर्तव्यों के रूप में बाध्यकारी बनाता है। नियमों की धारा 79 से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट की जिम्मेदारी के लिए एक सशर्त 'सुरक्षित ठिकाना' मिल गया था, बशर्ते कि वे उचित प्रक्रिया का पालन करें और गैरकानूनी गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग न लें। बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ता-कंटेंट पर नजर रखने से बचाने के लिए यह मध्यस्थों के लिए एक ढाल के रूप में काम करता था। सर्वोच्च न्यायालय ने श्रेया सिंघल बनाम भारत संघ मामले में कहा कि 'सुरक्षित ठिकाना' परंपरागत रूप से मध्यस्थों को तीसरे पक्ष के कंटेंट के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने से बचाता रहा है, जब तक कि वे अवैध गतिविधि के 'वास्तविक ज्ञान' पर कार्रवाई करते हैं। इस सिद्धांत ने प्लेटफार्मों को जानकारी के प्रवाह में तटस्थ बनाए रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लेकिन तब से डिजिटल इकोसिस्टम बहुत बदल गया है। प्लेटफार्म अब केवल निष्क्रिय मध्यस्थ नहीं हैं। उनके आकार और एल्गोरिदम उपयोग करने की उनकी क्षमता ने ऑनलाइन नुकसान और लोगों को प्रभावित करने के तरीकों को बदल दिया है। इस स्थिति में, केवल न्यायालय के आदेश या औपचारिक नोटिस पर प्रतिक्रिया देने वाला मॉडल धीरे-धीरे अप्रभावी हो जाता है। नियम 3(4) शासन को अधिक लचीला बनाकर इस कमी को दूर करता है। यह कंटेंट हटाने के लिए कानूनी आदेशों की आवश्यकता को खत्म नहीं करता; इसके बजाय, यह कार्यकारी उपकरणों के माध्यम से, समग्र रूप से प्लेटफॉर्मों के कार्य करने के तरीके को निर्देशित करने का प्रयास करता है। संभावित अतिशयोक्ति के बारे में वैध चिंताएं हैं, लेकिन तथ्य यह है कि सुरक्षित ठिकाना शर्तों पर आधारित है, इसका हमेशा मतलब रहा है कि उचित कार्रवाई मानक बदल सकते हैं। चीजों को और अधिक वैध बनाने के लिए, यह समझदारी होगी कि इस प्रकार की सलाहें और एसओपी पारदर्शिता के उपायों के साथ जारी किये जाएँ, जैसे प्रकाशन, अच्छी तरह से सोचा गया कारण, और यदि संभव हो तो, हितधारकों से परामर्श।

तीसरे, संशोधन प्रस्तावित करता है कि नियम 8.1 की उपधारा को इस तरह बदल दिया जाए कि भाग क्क्क के नियम 14, 15 और 16 न केवल प्रकाशकों पर लागू हों बल्कि मध्यस्थों पर और उपयोगकताओं द्वारा मध्यस्थों के कंप्यूटर संसाधनों पर प्रकाशित समाचार और समसामयिक घटनाक्रम कंटेंट पर भी लागू हों, जो प्रकाशक नहीं हैं। 'उपयोगकर्ता' और 'प्रकाशक' के बीच का अंतर स्पष्ट नहीं है। यह डिजिटल मीडिया निरीक्षण फ्रेमवर्क के दायरे में एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जो पहले मुख्य रूप से समाचार और संकलित कंटेंट के संगठित प्रकाशकों के प्रति केंद्रित था। संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कहीं से भी आने वाले कंटेंट के मामले में गंभीर नियम उल्लंघनों को निपटाया जा सके तथा इसके लिए ऐसे कंटेंट को नियम 14 से 16 में शामिल किया गया है। यह पारंपरिक प्रकाशकों और कार्यात्मक रूप से समान गतिविधियों में लगे डिजिटल-स्थानीय कर्मियों के बीच समानता को और बढ़ावा देता है।

इस प्रकार, संशोधन नियामक समानता को बढ़ावा देता है और वर्तमान फ्रेमवर्क में संरचनात्मक कमी को खत्म करता है। इसके साथ ही एक विचारशील फीडबैक बिंदु यह है कि भाग ||| का उपयोग उपयोगकर्ता-जनित कंटेंट पर गंभीर और प्रणालीगत नुकसान तक ही सीमित रहना चाहिए। बहुत ज्यादा सख्ती से लागू होने से बचने के लिए, जिससे वैध राजनीतिक भाषण या लोगों की खोजी पत्रकारिता पर रोक लग सकती है, मंत्रालय यह विचार कर सकता है कि नियम 14 से 16 के तहत मध्यस्थों को लक्षित हस्तक्षेप; स्पष्ट मानदंडों, जैसे पहुँच, प्रभाव और जोखिम के आधार पर किए जाएंगे तथा न्यूनतम प्रतिबंधात्मक उपायों का उपयोग किया जाएगा। यह मध्यस्थ द्वारा समर्थन (होस्ट) दिए गये कंटेंट के निरीक्षण को बेहतर बनाने के घोषित उद्देश्य के साथ-साथ एक खुली और बहुल डिजिटल सार्वजनिक क्षेत्र को बनाए रखने के उद्देश्य के अनुरूप होगा।

अंत में, नियम 14 में प्रस्तावित बदलाव, जिसमें 'शिकायतों' को बदलकर 'मामले' किया गया है, एक प्रतिक्रियाशील से अधिक सक्रिय नियामक दृष्टिकोण की ओर परिवर्तन को दर्शाता है। अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) अब केवल व्यक्तिगत शिकायतों के समाधान तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सरकार द्वारा संदर्भ दिए जाने पर व्यापक, प्रणालीगत मुद्दों पर भी विचार कर सकती है। एक ऐसे परिवेश में जहाँ व्यवस्थित तौर पर गलत सूचना फैलाने वाले अभियान जैसे नुकसान अक्सर व्यक्तिगत शिकायतों से आगे चली जाती हैं, यह लचीलापन समयानुकूल और आवश्यक दोनों है। साथ ही, आईडीसी के अधिकार क्षेत्र के विस्तार से प्रक्रियात्मक सुरक्षा की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया है। विचार किए गए 'मामलों' की प्रकृति का समय-समय पर खुलासा, साथ ही प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन, संस्थागत विश्वसनीयता को मजबूत करेगा और मनमानी हस्तक्षेप की धारणा में कमी लायेगा।

संपूर्ण रूप से देखें तो, मसौदा संशोधन भारत के मध्यस्थता दायित्व व्यवस्था को आधुनिक बनाने का एक व्यावहारिक प्रयास पेश करते हैं। वे इस बात को स्वीकार करते हैं कि स्थिर कानूनी सिद्धांत पूर्ण रूप से गतिशील तकनीकी वास्तविकताओं का समाधान नहीं कर सकते। हालांकि, चुनौती कार्यान्वयन में निहित है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विस्तारित नियामक शक्तियों का उपयोग पारदर्शी, अनुपातिक और इंटरनेट के खुले स्वरूप को बनाए रखने वाले तरीके से किया जाए। यदि सावधानीपूर्वक उपयोग किया जाए, तो ये सुधार एक व्यावहारिक संतुलन स्थापित कर सकते हैं और नवाचार या स्वतंत्र अभिव्यक्ति को कमजोर किए बिना उत्तरदायित्व को मजबूत कर सकते हैं।

(लेखक श्री वैभव गग्गर वरिष्ठ अधिवक्ता और सुश्री काम्या वहल अधिवक्ता हैं)

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊंची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है तो सबसे पहले उसकी नजर वहां की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी- वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियां जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर सिविक सेंस का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहां लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं लेकिन हमारे यहां स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी- हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो। आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बांटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना, ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा। हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियां और अनेक बीमारियां फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी। सफाई कर्मचारी वास्तव में हमारे शहरों के असली हीरो हैं। वे बिना किसी विशेष सम्मान या प्रसिद्धि की अपेक्षा के प्रतिदिन हमारे जीवन को बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। उनकी मेहनत से ही शहर सांस लेते हैं, सड़कें चलने योग्य बनती हैं और समाज स्वस्थ रहता है।

यदि हम सचमुच एक सभ्य, संवेदनशील और विकसित समाज बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले हमें सफाई कर्मचारियों के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें सम्मान देना, उनकी समस्याओं को समझना और स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी बनाना ही सच्ची नागरिकता है। यही वह रास्ता है जो हमारे शहरों को केवल चमकदार ही नहीं, बल्कि मानवीय और संस्कारित भी बनाएगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिक्षा क्षेत्र में देश का पहला राज्य बना पंजाब, शिक्षकों को मिल रहे हैं अंतरराष्ट्रीय स्तर के अध्यापन अवसर : भगवंत मान

पंजाब के सरकारी स्कूलों के 72 शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल प्रशिक्षण के लिए फिनलैंड रवाना, भगवंत मान सरकार की शिक्षा क्रांति को और मजबूती मिलेगी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

पंजाब में शिक्षा क्रांति को और बड़ा बढ़ावा देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज प्रशिक्षण हासिल करने के लिए फिनलैंड जा रहे सरकारी स्कूलों के 72 शिक्षकों के सबसे बड़े बैच को रवाना किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण देने, आधुनिक कक्षाओं और शैक्षिक सुधारों से पंजाब के शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है, जिससे देश भर में राज्य अग्रणी राज्य बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों ने सरकारी संस्थानों में शिक्षा को दशकों तक नकारा, जबकि अब पंजाब के सरकारी स्कूलों ने बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों में प्राइवेट स्कूलों को पीछे छोड़ दिया है। पहली बार सरकारी स्कूलों में शुरू की गई शिक्षक-अभिभावक मुलाकात में लाखों अभिभावकों ने खुद बढ़-चढ़कर भाग लिया। उन्होंने कहा कि विश्व स्तरीय शिक्षा प्रणालियाँ कक्षाओं के अंदर क्रांतिकारी बदलाव लाने में मददगार साबित हो रही हैं और सरकारी स्कूलों को अभिभावकों की पहली पसंद बनाने के पंजाब सरकार के मिशन को मजबूत कर रही हैं।रवानगी से पहले शिक्षकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, कुल 72 सरकारी स्कूल शिक्षकों को फिनलैंड के विश्व स्तर पर प्रसिद्ध विश्वविद्यालय तुर्कू में उत्कृष्ट शिक्षा प्रशिक्षण के लिए चुना गया है। ये शिक्षक 29 मई तक आधुनिक शिक्षा पद्धतियों, नवीन कक्षा अभ्यासों, विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण मॉडलों और विश्व स्तर पर स्थापित शिक्षा प्रणालियों की गहरी समझ हासिल करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, यह पहल पंजाब के शिक्षा सुधार कार्यक्रम में एक और बड़ा मील का पत्थर है, जो देश में सबसे बड़े बदलाव के रूप में उभरा है।

शिक्षकों को सच्चे राष्ट्र निमार्ता बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार सिर्फ बुनियादी ढांचे में निवेश नहीं कर रही है, बल्कि मूल स्तर से शैक्षिक माहौल का पुनर्निर्माण कर रही है। पंजाब के शिक्षा सुधार अब नीतिगत घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परिणाम पैदा कर रहे हैं। नीति आयोग द्वारा जारी नवीनतम शैक्षिक संकेतकों का हवाला देते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब ने स्कूल शिक्षा से संबंधित कई मानकों में केरल, महाराष्ट्र और हरियाणा सहित परंपरागत रूप से मजबूत शैक्षिक राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने आगे कहा, पंजाब ने गणित, विज्ञान और भाषा दक्षता में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया है, जबकि आधुनिक सुविधाओं वाले स्कूल बुनियादी ढांचे, डिजिटल शिक्षण सुविधाओं और कक्षा प्रबंधन मानकों में एक साथ अग्रणी के रूप में उभर रहे हैं। परिणाम स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि पंजाब के सरकारी स्कूल दशकों की उपेक्षा के बाद ऐतिहासिक बदलाव से गुजर रहे हैं।

फिनलैंड प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, यह पहल पंजाब के शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवसर प्रदान करने और भविष्य के लिए तैयार शैक्षिक अभ्यासों से लैस करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। यह सिर्फ औपचारिक विदेशी यात्रा नहीं है, बल्कि नया सीखने का शानदार अनुभव है, जिसका उद्देश्य सीधे तौर पर पंजाब की कक्षाओं में व्यावहारिक नवीनता लाना है।

उन्होंने आगे कहा, शिक्षक फिनलैंड की विश्व स्तर पर प्रसिद्ध शिक्षा प्रणाली का गहन अध्ययन करेंगे, जो अवधारणात्मक शिक्षा, आलोचनात्मक सोच, विद्यार्थियों की भावनात्मक भलाई और न्यूनतम रट्टा लगाकर याद करने पर जोर देने के लिए जानी जाती है। यह प्रशिक्षण सहयोगात्मक शिक्षण तकनीकों, कक्षा सहभागिता मॉडलों, मूल्यांकन सुधारों और शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर भी केंद्रित होगा। पिछले अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण बैचों के प्रभाव का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा, पंजाब के सरकारी स्कूलों में सकारात्मक परिणाम पहले से ही दिख रहे हैं। प्रशिक्षित शिक्षकों ने आपसी संवाद के माध्यम से सीखने का माहौल, कक्षा अनुशासन में सुधार और विद्यार्थी-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाए हैं, जिससे अकादमिक प्रदर्शन में काफी वृद्धि हुई है।

पंजाब सरकार द्वारा किए गए बुनियादी ढांचे के सुधारों की बात करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, अब लगभग 99 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर उपलब्ध हैं, जबकि बिजली आपूर्ति पंजाब भर के लगभग 99.9 प्रतिशत संस्थानों तक पहुंच चुकी है। इन विकास कदमों ने तकनीकी रूप से सक्षम और मजबूत शिक्षा प्रणाली की नींव रखी है। पंजाब के शिक्षा क्रांति में सक्रिय भागीदार बनने के लिए शिक्षकों को श्रेय देते हुए उन्होंने कहा, वर्षों की चुनौतियों के बावजूद, पंजाब के शिक्षकों ने सुधारों और आधुनिक शिक्षा तकनीकों को अपनाने में असाधारण प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस की भी सराहना करते हुए कहा, हरजोत सिंह बैंस ने व्यक्तिगत रूप से जमीनी स्तर पर सुधारों का नेतृत्व किया है। स्कूलों के उनके लगातार दौरों और अकादमिक मानकों तथा बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं की सीधी निगरानी ने जवाबदेही सुनिश्चित की है और कार्यान्वयन व्यवस्था को तेज किया है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, भगवंत मान सरकार ने शिक्षकों को अत्यधिक प्रशासनिक बोझ से मुक्त करने का प्रयास किया है, ताकि वे विशेष रूप से अकादमिक और विद्यार्थी विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें। स्कूलों में कैंपस मैनेजरों और सहायक स्टाफ की नियुक्ति ने शिक्षकों के लिए गैर-शिक्षण जिम्मेदारियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धि का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, तीन छात्राओं ने 12वीं कक्षा की परीक्षाओं में 500 में से 500 अंक प्राप्त किए हैं। ये छात्राएं सिर्फ अकादमिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि तलवारबाजी, हैंडबाल और बास्केटबाल जैसे विषयों में शानदार प्रदर्शन करने वाली निपुण खिलाड़ी भी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, यह साबित करता है कि हमारे सरकारी स्कूल के विद्यार्थी सिर्फ अकादमिक रूप से मजबूत नहीं हैं, बल्कि हर क्षेत्र में ऊंचाइयों को छूने की क्षमता रखते हैं। पंजाब का शिक्षा मॉडल भारत के सरकारी स्कूलों के बारे में लंबे समय से चली आ रही धारणाओं को चुनौती देना शुरू कर रहा है। सरकारी स्कूलों में बढ़ते जन विश्वास को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, इस बदलती जन धारणा के सबसे प्रभावशाली संकेतों में से एक सरकारी स्कूलों में अभिभावक-शिक्षक मुलाकातों में अभिभावकों की अभूतपूर्व भागीदारी है। लगभग 24 लाख अभिभावक अपने बच्चों के अकादमिक प्रदर्शन, करियर की आकांक्षाओं और समग्र विकास के बारे में चर्चा करने के लिए पीटीएम में शामिल हुए।

आम आदमी पार्टी के कैंडिडेट मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर बनेंगे: कुलवंत सिंह

सिटी दर्पण संवाददाता

मोहाली

मोहाली कॉर्पोरेशन चुनाव में आम आदमी पार्टी को बड़े मार्जिन से बहुमत मिलेगा और मोहाली कॉर्पोरेशन के मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर आम आदमी पार्टी के जीतने वाले कैंडिडेट होंगे, विधायक कुलवंत सिंह ने यह बात आज रिपोर्टर्स से बात करते हुए कही, विधायक कुलवंत सिंह आज आम आदमी पार्टी कैंडिडेट्स के नॉमिनेशन पेपर फाइल करने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे, विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पिछले मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर, डिप्टी मेयर और कई दूसरे कैंडिडेट्स ने इसलिए चुनाव नहीं लड़ रहे क्योंकि वे लोगों का सामना ही नहीं कर सकते थे, जिन्होंने पिछले म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में वादे और दावे करके लोगों को गुमराह किया था, मोहाली की जनता ऐसे नेताओं को सबक सिखाने के मूड में थे, इसलिए इन लोगों ने चुनाव मैदान से भागना ही बेहतर समझा। पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मोहाली कॉर्पोरेशन का मेयर, सीनियर डिप्टी मेयर या डिप्टी मेयर बनेगा, यह पार्टी के नेशनल कन्वीनर - अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री - भगवंत सिंह मान और पार्टी हाईकमान तय करेंगे, क्योंकि आम आदमी पार्टी एक डिसिप्लिन्ड पार्टी है। विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि किस पार्टी के कितने कैंडिडेट जीतेंगे, लेकिन एक बात मैं सभी को भरोसे के साथ कह सकता हूं कि मोहाली कॉर्पोरेशन चुनाव में किसी भी तरह की दादागिरी नहीं होने दी जाएगी और हर तरह से डेमोक्रेसी को जिंदा रखा जाएगा।

विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि भगवंत सिंह मान की लीडरशिप वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने सबा चार साल में लोगों की भलाई के लिए कई स्कीमें लागू की हैं और पंजाब के डेवलपमेंट की स्पीड भी लगातार तेज हो रही है और पिछले कई दिनों से आम आदमी पार्टी में शामिल होने वालों का तांता लगा हुआ है और यह ट्रेंड आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष और जिला प्लानिंग बोर्ड की चेयरपर्सन इंजीनियर प्रभजोत कौर, युवा नेता सरबजीत सिंह समाना, मनप्रीत सिंह समाना, सुरिंदर सिंह रोड़ा सुहाना, रणदीप सिंह, कुलदीप सिंह समाना, रणदीप सिंह मटौर, तरलोचन सिंह मटौर, अकविंदर सिंह गोसल, हरपाल सिंह चन्ना, गुरजीत सिंह मटौर के साथ बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे।

राज्य चुनाव आयोग, पंजाब ने नगर निगम चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आईएएस/वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों को जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त किया

चंडीगढ़। राज्य चुनाव आयोग, पंजाब द्वारा राज्य में 08 नगर निगमों, 76 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों (कुल 105) के आम चुनावों की घोषणा की गई है, जिनके लिए दिनांक 26.05.2026 (मंगलवार) को मतदान होंगे। इन चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग द्वारा 23 जिलों में आईएएस/वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों को जनरल ऑब्जर्वर नियुक्त किया गया है। किए नियुक्त जनरल ऑब्जर्वरों का विवरण निम्नानुसार हैः (1) श्री परमदीप सिंह, पी.सी.एस. (अमृतसर), (2) सुश्री परनीत शेरगिल, आई.ए.एस. (बरनाला), (3) श्री हरसुहिंदर पाल सिंह बराड़, आई.ए.एस. (बठिंडा), (4) श्री सुखप्रीत सिंह सिद्धू, पी.सी.एस. (फिरोजपुर), (5) श्री रुबिंदरजीत सिंह बराड़, आई.ए.एस. (फरीदकोट), (6) श्री रिषभ बंसल, पी.सी.एस. (फाजिल्का), (7) सुश्री हरगुणजीत कौर, आई.ए.एस. (फतेहगढ़ साहिब), (8) श्री राकेश कुमार पोपली, पी.सी.एस. (गुरदासपुर), (9) सुश्री हरजोत कौर, पी.सी.एस. (होशियारपुर), (10) श्री परमवीर सिंह, आई.ए.एस. (जालंधर), (11) सुश्री कनू थिंद, पी.सी.एस. (कपूरथला/19.05.2026 तक) एवं श्रीमती सेनू दुग्गल, आई.ए.एस. (कपूरथला/24.05.2026 से 29.05.2026), (12) सुश्री बलदीप कौर, आई.ए.एस. (लुधियाना), (13) सुश्री नयन, पी.सी.एस. (मोगा), (14) श्री अमित सरीन, पी.सी.एस. (मानसा), (15) श्री परमोद सिंगला, पी.सी.एस. (मालेरकोटला), (16) श्री अमरबीर सिंह, पी.सी.एस. (श्री मुक्तसर साहिब), (17) सुश्री अपनीत रियात, आई.ए.एस. (पटियाला/19.05.2026 तक) एवं श्री रिषी पाल सिंह, आई.ए.एस. (पटियाला/24.05.2026 से 29.05.2026 तक), (18) श्री अमरिंदर सिंह टिवाना, पी.सी.एस. (पठानकोट), (19) श्री जगजीत सिंह, पी.सी.एस. (रूपनगर), (20) सुश्री अमनदीप कौर, आई.ए.एस. (एस.बी.एस. नगर), (21) श्री अभिजीत कपलिश, आई.ए.एस. (मोहाली), (22) श्री कमल कुमार गर्ग, आई.ए.एस. (संगरूर), (23) श्री विकास हीरा, पी.सी.एस. (तरनतारन)।

संक्षिप्त-समाचार

अवॉर्ड-विनिंग इंग्लिश वेब सीरीज मार्शल ने स्टोरीटेलिंग के माध्यम से फिर जगाई वैश्विक जिज्ञासा

चंडीगढ़। अमेरिका आधारित प्रोडक्शन कंपनी एम जे फिल्म एम्पायर द्वारा निर्मित इंग्लिश वेब सीरीज मार्शल जिसे लेखक एवं निर्देशक कपिल कल्याण ने लिखा और निर्देशित किया है तथा जिसका निर्माण मंदीप राज और जसवीर सिंह गरचा द्वारा किया गया है। एल ए वेबफेस्ट 2025 में बेस्ट प्रोडक्शन डिजाइन अवार्ड से सम्मानित हो चुकी है। फिल्म के निमार्ता अमेरिका से लाइव होते हुए मंदीप राज और जसवीर सिंह गरचा ने बताया कि पूर्णतः कल्पना और सिनेमैटिक स्टोरीटेलिंग के आधार पर बनाई गई मार्शल ने रहस्यमयी घटनाओं, एलियन संभावनाओं और मानव जिज्ञासा जैसे विषयों को उस समय प्रस्तुत किया था, जब यू एफ ओ/ यू ए पी चचाएँ वैश्विक मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बनी थीं। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में अमेरिका द्वारा यू एफ ओ/ यू ए पी से जुड़ी फाइलें सार्वजनिक किए जाने के बाद, यह वेब सीरीज एक बार फिर दुनियाभर में चर्चा और बौद्धिक विमर्श का विषय बन चुकी है।विज्ञान -फंतासी प्रेमियों, रचनात्मक समुदायों और दर्शकों के बीच इस विषय को लेकर नई जिज्ञासा देखने को मिल रही है।

अपनी प्रोपर्टी धोखेबाज दम्पति के हाथों गंवा चुके पीड़ितों ने पुलिस सहायता न मिलने के लगाए आरोप

चंडीगढ़। रामदरबार निवासियों सहित कुछ अन्य लोगों ने रामदरबार के ही एक व्यक्ति और उनके परिवार पर उन सभी से धोखाधड़ी कर उनके मकान अपने नाम करवा लेने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने जब इसकी शिकायत स्थानीय सेक्टर 31 पुलिस थाने में की तो पुलिस ने उनकी बात न सुनते हुए आरोपी पक्ष का साथ दिया। वहीं आरोपी ने अपनी उच्च पुलिस अधिकारियों सहित राजनेताओं से अपनी ऊंची पहुंच का रसूख दिखाते हुए पीड़ितों को ही धमकियां दी कि वो उसका कुछ नही बिगाड़ सकते। इंसाफ के लिए उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस के आलाधिकारियों के द्वार भी खटखटाए, पर उनकी सुनवाई नही हुई। अब वो इंसाफ की आस में मीडिया के पास आए हैं। चण्डीगढ़ प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रामदरबार निवासी राम सुमेर और हनुमान तथा सेक्टर 52 निवासी अशोक ने बताया कि किस प्रकार आरोपी मनोज माधव झा, उनकी पत्नी सरिता झा और पुत्र दीपक झा ने उन सबके साथ धोखाधड़ी की। राम सुमेर ने बताया कि मनोज माधव झा उन्हें एक फंक्शन में मिले थे। वहीं से उनसे मुलाकात का दौर चला। फिर उसने उसे अपनी ऊंची हैसियत और रसूख का सब्जबाग दिखाना शुरू किया। तब उसने उनसे उनके मकान में बतौर किराएदार रहने की बात कही। वो मान गए, तो उसने रेंट एग्रीमेंट तैयार कर उनसे साईन करने को कहा। अनपढ़ होने के चलते और विश्वास करते उन्होंने रेंट एग्रीमेंट पर दस्तखत कर दिए। लेकिन वो रेंट एग्रीमेंट नही था, बल्कि धोखे से उसने मकान की पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर ली थी। उनके साथ हुई धोखाधड़ी का जब उन्हें पता चला, तो उन्होंने मनोज माधव झा से इसके बारे में बात की तो पहले तो वो मुकर गया। ज्यादा जोर देने पर वो उल्टा मुझे ही धमकाने लगा कि तुमसे जो बन पड़ता है, करलो। तुम मेरा कुछ भी नही बिगाड़ सकते। हारकर उन्होंने इसकी शिकायत सेक्टर 31 थाना में दी। बार बार जाने पर भी पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नही की। इससे आहत हो उन्होंने आलाधिकारियों को शिकायत दी तो भी थाना पुलिस पर कोई असर नही हुआ। इसी तरह से हनुमान और अशोक कुमार ने भी अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि उनके साथ भी मनोज माधव झा, उनकी पत्नी सरिता झा और पुत्र दीपक झा ने मीठी मीठी बातें करते हुए उनके साथ धोखाधड़ी की। अशोक ने बताया कि वो कुछ समय के लिए कहीं बाहर जा रहे थे, तो मनोज झा ने उन्हें उनके मकान की देखभाल करने का भरोसा दिलाया और कागजी कार्रवाई (एग्रीमेंट) भी बना लेने की बात कही। वो उसकी बातो में आ गए। लेकिन उनकी गैरहाजिरी में उसने मकान पर कब्जा कर लिया, जबकि एग्रीमेंट में मकान को धोखे से अपने नाम करवा लिया था। बात करने पर वो सभी उनसे लड़ने लग गए, और धमकियां देने लगे कि अब यह मकान उनका है, यहां चाहे फरियाद कर लो।

विश्व हाइपरटेंशन दिवस

उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए समय पर मेडिकल इंटरवेंशन आवश्यक: एक्सपर्ट

चंडीगढ़। उच्च रक्तचाप से निपटने में शीघ्र निदान, नियमित निगरानी और जीवनशैली प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मैक्स अस्पताल, मोहाली में प्रिंसिपल कंसल्टेंट-कार्डियोलॉजी, राकेश शर्मा ने कहा कि उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने और दीर्घकालिक स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए समय पर मेडिकल इंटरवेंशन आवश्यक है। डॉ शर्मा ने कहा, उच्च रक्तचाप को अक्सर साइलेंट किलर कहा जाता है क्योंकि इसके लक्षण आसानी से दिखाई नहीं देते, लेकिन अगर इसका इलाज न किया जाए तो यह हृदय रोग, स्ट्रोक और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है।उन्होंने आगे बताया कि कई लोग गंभीर जटिलताएं विकसित होने तक इस बात से अनभिज्ञ रहते हैं कि वे उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, नमक का सेवन कम करना, शारीरिक गतिविधि और तनाव प्रबंधन उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। डॉ शर्मा ने गतिहीन जीवनशैली,ए अस्वास्थ्यकर खान-पान की आदतें, बढ़ते तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण युवाओं में उच्च रक्तचाप की बढ़ती व्यापकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लोगों को नियमित रूप से अपने रक्तचाप की निगरानी करने और समय पर चिकित्सा सलाह लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। शीघ्र निदान और जीवनशैली में सरल बदलाव जटिलताओं को रोकने और जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करने में महत्वपूर्ण रूप से सहायक हो सकते हैं।

गैंगस्टरों ते वार का 116वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 598 स्थानों पर छापेमारी; 315 गिरफ्तार

चंडीगढ़। गैंगस्टरों के विरुद्ध शुरू की गई निर्णायक गैंगस्टरों ते वार मुहिम के 116वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों के चिन्हित और मैप किए गए 598 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों ते वार पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई है, जिसे 20 जनवरी, 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने शुरू किया था। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष कार्रवाई कर रही हैं। 116वें दिन पुलिस टीमों ने 8 हथियारों सहित 315 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे मुहिम की शुरूआत के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या 29,700 हो गई है। इसके अलावा 124 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 29 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान 7 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं।

- **पुलिस टीमों ने 124 व्यक्तियों के विरुद्ध की एहतियाती कार्रवाई, 29 को पूछताछ के बाद किया रिहा**
- **लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में दे सकते हैं जानकारी**

डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया द्वारा वार्ड नंबर 6 के लिए 5 गारंटियों वाला आप का संकल्प मेनिफेस्टो जारी

सिटी दर्पण संवाददाता

मोहाली

मोहाली नगर निगम चुनाव 2026 को लेकर वार्ड नंबर 6 से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार, आप पंजाब के जनरल सचिव एवं पंजाब जल सप्लाई और सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया द्वारा आज वार्ड वासियों की मौजूदगी में आप का संकल्प नाम से अपना चुनावी मेनिफेस्टो जारी किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में इलाके के निवासी, समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया ने कहा कि यह मेनिफेस्टो केवल वादों का दस्तावेज नहीं, बल्कि वार्ड नंबर 6 के लोगों के साथ किया गया एक जिम्मेदार संकल्प है। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास, सफाई, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर बनाया जाएगा। जारी किए गए मेनिफेस्टो में वार्ड वासियों के लिए 5 मुख्य गारंटियां दी गई हैं। इनमें सबसे पहले मोहल्ला क्लीनिक और डिस्पेंसरी खोलने का वादा किया गया है, ताकि हर व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा कूड़े के सही प्रबंधन, डोर-टू-डोर सफाई व्यवस्था और गारबेज फ्री इलाका बनाने के लिए विशेष योजना तैयार करने की बात भी कही गई। मेनिफेस्टो में वार्ड की सुरक्षा को लेकर भी विशेष ध्यान दिया गया है। डॉ. आहलूवालिया ने वार्ड में सीसीटीवी कैमरों के विस्तार, सुरक्षा प्रबंधों को और मजबूत करने तथा लोगों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध करवाने का भरोसा दिया। इसके साथ ही बेहतर आधुनिक लाइटें, गलियों और पार्कों में एलईडी लाइटें तथा अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को भी मेनिफेस्टो का अहम हिस्सा बनाया गया है। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के लिए पार्कों की सुंदरता, वृक्षारोपण और हरे-भरे वातावरण के लिए विशेष प्रयास करने की भी बात कही गई। डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया ने कहा कि वह वार्ड नंबर 6 को मोहाली का एक मॉडल वार्ड बनाने के लिए पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ काम करेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से वार्ड के हर मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा। मौके पर मौजूद वार्ड वासियों ने मेनिफेस्टो की भरपूर सराहना करते हुए इसे लोगों की वास्तविक जरूरतों से जुड़ा बताया और डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया। लोगों ने कहा कि वार्ड के विकास और जनसेवा के लिए डॉ. आहलूवालिया की सोच और विजन सराहनीय है। अंत में डॉ. सन्नी सिंह आहलूवालिया ने वार्ड वासियों से अपील की कि वे आम आदमी पार्टी को समर्थन दें और झाड़ू के निशान पर वोट देकर ईमानदार और विकासशील प्रशासन को मजबूत करें।

आम आदमी पार्टी सरकार ने पूरे पंजाब में वार्डबंदी और वोटर सूचियों में बड़े स्तर पर हेरफेर करके लोकतंत्र का नुकसान किया: सिद्धू

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू के नेतृत्व में मोहाली के सभी 50 वार्डों से कांग्रेस उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए

सिटी दर्पण संवाददाता

मोहाली

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इं',१ ॰रल्लँ ॰र्४ के नेतृत्व में आज गमाडा भवन, मोहाली में नगर निगम चुनावों के लिए मोहाली के सभी 50 वार्डों से कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे।

इस मौके पर संबोधित करते हुए बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा मैदान में उतारे गए सभी उम्मीदवार पढ़े-लिखे, ईमानदार और लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा जनहित की राजनीति करती आई है और आने वाले चुनावों में लोग एक बार फिर कांग्रेस पर भरोसा जताएंगे।

सिद्धू ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मौजूदा सरकार ने पूरे पंजाब में वार्डबंदी और वोटर सूचियों में बड़े स्तर पर हेरफेर करके लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी दबाव और धक्केशाही की राजनीति कर रही है।

उन्होंने कहा कि भले ही कुछ साथी वार्डबंदी में हेरफेर के कारण चुनाव मैदान से बाहर रह गए हैं, लेकिन पार्टी उनके योगदान की कद्र करती है। सिद्धू ने उनसे पार्टी उम्मीदवारों का पूरा समर्थन करने की अपील की। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद हर कार्यकर्ता को उचित सम्मान दिया जाएगा।

बलबीर सिंह सिद्धू ने मोहाली के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्ष, जनहितैषी और विकास समर्थक सोच वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि पिछले कांग्रेस शासनकाल के दौरान मोहाली में जितने भी बड़े विकास परियोजनाएं आईं, वे कांग्रेस सरकार की ही देन थीं। चाहे नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल, डिस्पेंसरी या खेल स्टेडियम हों, हर क्षेत्र में कांग्रेस ने विकास को प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा आम आदमी पार्टी विधायक ड४'६ल्ल३ ॰रल्लँ द्वारा मोहाली के कई महत्वपूर्ण विकास कार्य अधूरे छोड़ दिए गए हैं। सिद्धू ने कहा कि निगम में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उन सभी अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। सिद्धू ने सरकारी कर्मचारियों और हर वर्ग के लोगों से कांग्रेस पार्टी का समर्थन करने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब में आने वाला समय कांग्रेस का है। उन्होंने कहा कि यदि नगर निगम में भी कांग्रेस का मेयर बनता है तो मोहाली में विकास की गति कई गुना बढ़ जाएगी। अंत में बलबीर सिंह सिद्धू ने मोहाली के लोगों से अपील की कि कांग्रेस पार्टी के सभी उम्मीदवारों को अधिक से अधिक वोट देकर विजयी बनाएं ताकि शहर के विकास को नई दिशा और गति मिल सके। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी और जनता के सहयोग से शानदार जीत हासिल करेगी।

लाउडस्पीकर विवादः पुलिस टीम पर हमला फाड़ी में घुसकर उपद्रवियों ने की तोड़फोड़

उपद्रवियों पर काबू पाने के लिए छोड़े गए आंसू गैस के गोले, वाहनों को पहुंचाया नुकसान

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

आसनसोल के रेलपार इलाके में लाउडस्पीकर को लेकर प्रशासनिक पहल के बाद शुक्रवार रात अचानक हालात बिगड़ गए और जहांगिरी मोहल्ला (टीओपी) पुलिस फाड़ी क्षेत्र में हिंसक झड़प की घटना सामने आई। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और भारी पुलिस बल तैनात कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, प्रशासन की ओर से तेज आवाज में बजने वाले लाउडस्पीकर को लेकर जागरूकता संदेश देने के लिए पुलिस टीम क्षेत्र में पहुंची थी। इसके बाद इलाके के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर इस मुद्दे को लेकर बैठक की प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी। इसी बीच रात करीब 9 बजे के बाद माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व बड़ी संख्या में जहांगीरी मोहल्ला पुलिस फाड़ी पहुंच गए और वहां हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते स्थिति बेकाबू हो गई और उपद्रवियों ने पुलिस फाड़ी परिसर में घुसकर तोड़फोड़ की। उपद्रवियों ने न केवल पुलिस फाड़ी को नुकसान पहुंचाया, बल्कि आसपास के इलाके में भी जमकर उत्पात मचाया। कई वाहनों को निशाना बनाया गया, जिसमें पुलिस की गाड़ियों के साथ-साथ आम लोगों के वाहन भी शामिल हैं। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और हालात बिगड़ते देख आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और इलाके को घेरकर स्थिति पर काबू पाने की कोशिश की गई। पूर्व पार्षद एवं एनजीओ संचालक शाहिना परवीन ने बताया कि रात करीब 9 बजे जब वह नमाज पढ़ने जा रही थीं, तभी बाहर शोर-शराबे की आवाज सुनाई दी। बाहर निकलने पर उन्होंने देखा कि जहांगीरी मोहल्ला पुलिस फाड़ी के सामने काफी संख्या में युवक एकत्रित हैं। पूछने पर जानकारी मिली कि कुछ पुलिस अधिकारी और अतिरिक्त बल के जवान मस्जिदों में लाउडस्पीकर की आवाज कम करने या उसे हटाने का निर्देश देने गए थे, जिसके बाद कुछ युवक भड़क गए और पथराव शुरू कर दिया।

फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह गलत है और उन्होंने युवकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। वहीं, पार्षद एस एम मुस्तफा ने बताया कि उन्हें रात करीब 9:30 बजे पथराव की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर उन्होंने स्थिति काफी नाजुक पाया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा पुलिस फाड़ी पर पथराव किया गया, जो पूरी तरह गलत है और वे इस तरह की घटना का समर्थन नहीं करते।

मस्जिद कमेटी ने भी की निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

कुरैशी मोहल्ला मस्जिद के सचिव मोहम्मद हैदर ने बताया कि शाम करीब 7 बजे पुलिस की ओर से उन्हें बैठक के लिए संपर्क किया गया था। उन्होंने कहा कि रेलपार क्षेत्र की सभी मस्जिदों के उलेमा और पदाधिकारी आपस में चर्चा कर एक प्रतिनिधि तय करने वाले थे, जो प्रशासन के साथ बैठक करता। लेकिन रात करीब 9:30 बजे उन्हें सूचना मिली कि जहांगीरी मोहल्ला पुलिस फाड़ी में स्थिति बिगड़ गई है। उन्होंने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर दोषियों की पहचान करने और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की, साथ ही निर्दोष लोगों को परेशान न करने की अपील की। मोहम्मद हैदर ने यह भी कहा कि लाउडस्पीकर का मुद्दा विवाद का विषय नहीं है और इसे आपसी संवाद के जरिए सुलझाया जा सकता है। क्षेत्र की सभी मस्जिदें प्रशासन के निर्देशों का पालन करने के लिए आपस में बैठक कर निर्णय लेंगी।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लाड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को दी जमानत

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को जमानत दे दी है। स्पेशल जज सुशांत चंगोत्रा ने रॉबर्ट वाड्रा को 50 हजार के निजी मुचलके और इतनी ही रकम के एक जमानती के मुचलका भरने का आदेश दिया। कोर्ट में पेश होने के बाद रॉबर्ड वाड्रा ने कहा कि उनका न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हमारे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं सारे सवालों का जवाब दूंगा। वाड्रा ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) राजनीतिक दबाव में काम कर रही है। मैं हर जांच का सामना करने को तैयार हूं।

बता दें कि 15 अप्रैल को कोर्ट ने वाड्रा को बतौर आरोपी समन जारी करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने रॉबर्ड वाड्रा समेत 11 आरोपियों को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने रॉबर्ड वाड्रा के अलावा जिन आरोपियों को समन जारी करने का आदेश दिया था उनमें सत्यानंद याजी, केवल सिंह विर्क, मेसर्स स्काई लाईट हॉस्पिटैलिटी प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल्टी प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल अर्थ इस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स आर्टेक्स, मेसर्स नॉर्थ इंडिया आईटी पार्क्स प्राईवेट लिमिटेड, मेसर्स लंबोदर आर्ट एंटरप्राइजेज इंडिया प्राईवेट लिमिटेड और मेसर्स एसजीवाई प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेड शामिल हैं। कोर्ट ने सभी आरोपितों के खिलाफ मनी लाड्रिंग कानून की धारा 3 और 4 के तहत आरोपों पर संज्ञान लिया। सुनवाई के दौरान रॉबर्ट वाड्रा ने कहा था कि उसके खिलाफ मनी लाड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है। रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने कहा था कि ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर कोर्ट को संज्ञान नहीं लेना चाहिए। वाड्रा ने समन जारी करने के फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने समन के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए ट्रायल कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। कोर्ट ने 2 अगस्त, 2025 को वाड्रा समेत सभी आरोपितों को समन जारी किया था। 17 जुलाई, 2025 को ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल किया था। इसमें वाड्रा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं। उनकी कंपनी, मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है। ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जब्त किया है।

इस मामले की शुरूआत 2008 में हुई थी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी। वाड्रा इस कंपनी में डायरेक्टर थे। यह जमीन ओंकारेश्वर प्रोपर्टीज से खरीदी गई थी। इस जमीन का मालिकाना हक सिर्फ 24 घंटे में ही वाड्रा की कंपनी के नाम पर हो गया। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 2012 में वही जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दी। इससे कंपनी को बहुत ज्यादा मुनाफा हुआ। इस मामले में 2018 में एक एफआईआर दर्ज की गई थी।

नेपाल में 100 रुपये से अधिक के सामान पर कस्टम ड्यूटी पर रोक

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

नेपाल-भारत सीमा नाकों पर दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर लगाए जा रहे कस्टम शुल्क पर नेपाल उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश हरि प्रसाद फुयाल और टेक प्रसाद ढुंगाना की संयुक्त पीठ ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार शुल्क लगाने संबंधी वित्त मंत्रालय के निर्णय पर रोक लगाते हुए अंतरिम आदेश जारी किया।

भारत से 100 रुपये से अधिक मूल्य के दैनिक उपभोग के सामान लाने पर भंसार शुल्क लगाने की व्यवस्था को व्यापार संधि के प्रावधानों के खिलाफ बताते हुए अधिवक्ता अमितेश पण्डित सहित अन्य लोगों ने रिट याचिका दायर की थी। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर भंसार कर अनिवार्य करने का निर्णय लिया था। इसके बाद तराई-मधेश क्षेत्र के सीमा नाकों पर सख्ती शुरू कर दी गई थी, जिसका

स्थानीय लोगों ने विरोध किया था। 27 अप्रैल को दायर रिट याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए उच्चतम न्यायालय ने सरकार को अंतरिम आदेश पर बहस के लिए बुलाया था। सरकार की ओर से दलीलें सुनने के बाद शुक्रवार को अदालत ने प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय और कस्टम विभाग के नाम अंतरिम आदेश जारी करते हुए तत्काल इस व्यवस्था पर रोक लगाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व में सरकार बनने के तुरंत बाद सीमा नाकों पर सख्ती शुरू की गई थी। सीमा पर सुरक्षाकर्मियों द्वारा सामान जब्त किए जाने के फोटो और वीडियो सार्वजनिक होने के बाद व्यापक विरोध हुआ था, लेकिन सरकार अपने निर्णय से पीछे नहीं हटी थी।

प्रधानमंत्री से चाय निर्यात में आ रही बाधाओं को दूर करने की मांग

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

भारत द्वारा एक मई से लागू नई 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' (एसओपी) के बाद नेपाल में चाय उद्योग गंभीर संकट में पड़ गया है। ऐसे में व्यवसायियों ने प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह से इस मुद्दे के समाधान की मांग की है। नई निर्देशिका के अनुसार भारत में प्रवेश करने वाली नेपाली चाय के हर ट्रक और प्रत्येक खेप की अलग-अलग प्रयोगशाला जांच (लैब टेस्ट) अनिवार्य कर दी गई है।

व्यवसायियों के अनुसार नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास ने भारत के वाणिज्य मंत्रालय और भारतीय चाय बोर्ड के अधिकारियों के साथ लगातार संवाद कर अवरोध हटाने का अनुरोध किया है। चाय व्यवसायियों ने अब मांग की है कि इस समस्या के समाधान के लिए प्रधानमंत्री स्तर पर सीधा हस्तक्षेप होना चाहिए। उनका कहना है कि पहले भी ऐसे मामलों में तत्कालीन प्रधानमंत्रियों ने सीधे भारतीय समकक्ष

फोटोः हि.स.

से बात कर समस्या का समाधान कराया था, इसलिए इस बार भी उच्चस्तरीय राजनीतिक संवाद आवश्यक है। व्यवसायियों का कहना है कि नेपाल की प्रमुख निर्यात योग्य कृषि ऊपज के बाजार को बचाने के लिए प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह को तत्काल ठोस और प्रत्यक्ष पहल करनी चाहिए। नेपाल चाय उत्पादक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता ने बताया कि इस कड़े नियम के कारण पिछले आधे महीने से निर्यात लगभग बंद है। उनके अनुसार इस दौरान भारतीय खरीदारों ने अपने जोखिम पर बेहद कम मात्रा में केवल दो ट्रक चाय खरीदी है, जिसमें तराई क्षेत्र की लगभग 10-12 टन और पहाड़ी क्षेत्र की 4-5 टन चाय शामिल है। उन्होंने कहा कि चाय का सीजन अभी शुरू ही हुआ है, इसलिए फिलहाल बहुत बड़ा व्यावसायिक नुकसान नहीं हुआ है लेकिन अच्छी बारिश के कारण अगले एक सप्ताह में उत्पादन तेजी से बढ़ेगा। यदि तब तक निर्यात नहीं खुला, तो उद्योगियों और किसानों को भंडारण की कमी के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। इसी तरह नेपाल टी एसोसिएसन के अध्यक्ष कमल मैनाली ने कहा कि भारत के नए नियमों से व्यापारियों का जोखिम अत्यधिक बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि यदि चाय 15 दिनों तक सीमा पर रुकी रहती है, तो उसकी गुणवत्ता खराब होने का खतरा रहता है। साथ ही यदि चाय लैब टेस्ट में फेल हो जाए, तो उसे नष्ट करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

मैनाली ने कहा कि रिपोर्ट आने से पहले चाय बेच नहीं सकते। अगर लैब टेस्ट में चाय फेल हो गई तो उसे नेपाल वापस लाने की भी अनुमति नहीं है। यदि वापस लानी पड़े तो 40 प्रतिशत कस्टम शुल्क और 13 प्रतिशत वैट देना होगा। ऐसी स्थिति में व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल प्रशासनिक या कूटनीतिक स्तर से हल होती नहीं दिख रही, इसलिए उच्च राजनीतिक हस्तक्षेप बेहद जरूरी हो गया है।

तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अमित शाह को धमकी और भड़काऊ बयानों का आरोप

एजेंसी (हि.स.)
कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने और उकसावे वाली भाषा इस्तेमाल करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। शुक्रवार शाम को विधाननगर साइबर क्राइम थाने की पुलिस ने राजीव सरकार नामक एक व्यक्ति की शिकायत पर मामला दर्ज किया।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता राजीव सरकार ने गत पांच मई को बागुईआटी थाने में शिकायत दी थी। उसी शिकायत के आधार पर अभिषेक के खिलाफ कुल छह धाराओं में

फोटोः हि.स.

एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान अभिषेक बनर्जी ने ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया, जिससे राज्य में अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती थी। पुलिस ने अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192, 196, 351(2) और 353(1)(ु) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके साथ ही उन पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123(2) और 125 भी लगाई गई है। पुलिस की एफआईआर में कहा गया है कि आरोपित ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में विपक्षी कार्यकताओं के खिलाफ आक्रामक भाषा का इस्तेमाल किया था। शिकायतकर्ता राजीव सरकार ने कहा कि अगर तृणमूल कांग्रेस दोबारा सत्ता में लौटती, तो आम लोगों पर हमले हो सकते थे। उन्होंने दावा किया कि उनकी शिकायत किसी भी तरह से राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं है। राजीव सरकार खुद को समाजसेवी बताते हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

ईओयू ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता के चार ठिकानों पर की रेड

एजेंसी (हि.स.)
पटना

भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति के मामलों पर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार के चार अलग-अलग ठिकानों पर शनिवार सुबह से छापेमारी कर रही है। सत्यापन के बाद आर्थिक अपराध इकाई ने थाना कांड संख्या-08/26 दिनांक 15 मई 2026 दर्ज करते हुए अभियंता के चार अलग-अलग ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है।

आर्थिक अपराध इकाई की ओर से दर्ज प्राथमिकी में गोपाल कुमार, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य प्रमंडल, झाझा (जमुई) पर ज्ञात आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप लगाया गया है। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि उन्होंने अपनी वैध आय से लगभग 2 करोड़ 61 हजार रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की है।

फोटोः हि.स.

यह राशि उनकी ज्ञात आय से करीब 81.5 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। इस मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(2) सहपठित धारा 13(1)(बी) के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके बाद आर्थिक अपराध इकाई ने विशेष न्यायालय निगरानी, पटना से तलाशी वारंट प्राप्त कर कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में गठित अलग-अलग टीमों ने पटना और जमुई में एक साथ छापेमारी शुरू की। जिन ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है, उनमें पटना के मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित ज्योतिपुरम इलाके में जगत विला अपार्टमेंट का फ्लैट शामिल है। इसके अलावा पूर्वी इंदिरा नगर रोड नंबर-4, कंकड़बाग स्थित आवास पर भी जांच टीम पहुंची। जमुई जिले में केकेएम कॉलेज के समीप स्थित किराये के आवास और झाझा स्थित ग्रामीण कार्य प्रमंडल कार्यालय में भी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। आर्थिक अपराध इकाई की टीम संपत्ति, बैंक खाते, निवेश, जमीन से जुड़े कागजात और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड हाथ लगने की संभावना है। हालांकि ईओयू की ओर से अभी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद ही बरामदगी और आगे की कानूनी कार्रवाई की विस्तृत सूचना सार्वजनिक की जाएगी।

मप्र के भोजशाला में हनुमान-चालीसा पाठ के साथ हुई पूजा-अर्चना

एजेंसी (हि.स.)
धार

मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के बाद शनिवार सुबह श्रद्धालुओं और अलग-अलग समितियों के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण माहौल में भोजशाला पहुंचकर दर्शन और पूजा-अर्चना की। लोगों ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। भोजशाला विवाद मामले में उच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद शुक्रवार से ही शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

पूरे शहर में जगह-जगह पुलिस बल तैनात है। शनिवार सुबह सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच श्रद्धालु और भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी परिसर पहुंचे। इनमें संरक्षक विश्वास पांडे, भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा, श्रीश दुबे, केशव शर्मा और अशोक जैन शामिल थे। सभी ने मां वाग्देवी के स्थान और यज्ञ कुंड के पास पुष्प अर्पित कर दंडवत प्रणाम किया। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने कहा कि वर्षों

बाद उन्हें बिना रोक-टोक पूजा करने का अवसर मिला है। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि भोजशाला का कण-कण यह दर्शाता है कि यह एक मंदिर है। मुस्लिम पक्ष की ओर से आगे की कानूनी कार्रवाई को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें उच्चतम न्यायालय जाने की पूरी स्वतंत्रता है, लेकिन भोजशाला मंदिर था, मंदिर है और हमेशा मंदिर ही रहेगा। फिलहाल पूरे धार शहर और भोजशाला परिसर की स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने धार स्थित भोजशाला के धार्मिक स्वरूप को लेकर वर्षों से चले आ रहे विवादित मालले में शुक्रवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाया था।

लापरवाही | **उपभोक्ता आयोग ने बिजली विभाग को लगाई फटकार**

वर्षों तक बिल नहीं भेजा, फिर थमा दिया लाखों का बकाया

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी सिंहभूम

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर कड़ा रुख अपनाते हुए शनिवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि वर्षों तक नियमित बिजली बिल जारी नहीं करना और बाद में एकमुश्त भारी बकाया थोपना उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। आयोग ने इस मामले को सेवा में गंभीर कमी मानते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया।

यह मामला चाईबासा के जेवियर नगर निवासी देवी शंकर दत्ता से जुड़ा है। उन्होंने आयोग में शिकायत दर्ज कर बताया था कि वर्ष 2018 में बिजली कनेक्शन लेने के बाद उन्हें नियमित रूप से मासिक बिजली बिल नहीं दिया गया। कई वर्षों तक विभाग की ओर से कोई स्पष्ट बिलिंग नहीं हुई, लेकिन दिसंबर 2024 में अचानक बिजली अधिनियम की धारा 56 के तहत नोटिस जारी कर एक लाख, तिरासी हजार, 175 रुपये की बकाया राशि 15 दिनों के भीतर जमा करने को कहा गया। साथ ही भुगतान नहीं करने पर बिजली काटने की चेतावनी भी दी गई। शिकायतकर्ता ने आयोग को बताया कि विभागीय दबाव के कारण उन्होंने पहले 50 हजार रुपये जमा किए और बाद में जून 2025 में अलग-अलग तिथियों पर 60 हजार रुपये और भुगतान किए। इस तरह कुल 1 लाख 10 हजार रुपये जमा करने के बावजूद विभाग ने उन्हें नियमित माहवार बिजली बिल उपलब्ध नहीं कराया।

सुनवाई के दौरान झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड ने स्वीकार किया कि उपभोक्ता के नाम पर 5 किलोवाट का कनेक्शन है तथा वर्ष 2024 में एकमुश्त बिल जारी किया गया था। हालांकि विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सका कि वर्ष 2018 से नियमित मासिक बिल क्यों नहीं भेजे गए। जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने अपने आदेश में कहा कि लंबे समय तक बिल जारी नहीं करना उपभोक्ता संरक्षण कानून

के तहत सेवा में स्पष्ट कमी है। आयोग ने यह भी माना कि बिना माहवार विवरण दिए अचानक बड़ी राशि की मांग करना मनमाना और कानून के विरुद्ध है। आयोग ने अपने फैसले में सर्वोच्च न्यायालय के चर्चित मामले अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बनाम रहमतुल्लाह खान (2020) का हवाला दिया। आयोग ने कहा कि दो वर्ष से अधिक पुराने बिजली बकाये की वसूली तभी संभव है, जब संबंधित राशि लगातार उपभोक्ता के बिलों में दर्शाई गई हो। चूंकि विभाग ऐसा कोई रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर पाया, इसलिए एकमुश्त बकाया मांग को वैध नहीं माना जा सकता। आयोग ने बिजली विभाग को निर्देश दिया कि 1 दिसंबर 2018 से 5 दिसंबर 2024 तक का संशोधित माहवार बिजली बिल वास्तविक मीटर रीडिंग अथवा नियमानुसार औसत खपत के आधार पर तैयार कर उपभोक्ता को उपलब्ध कराया जाए। साथ ही पुरानी अवधि पर किसी भी प्रकार का विलंब अधिभार नहीं लगाने का आदेश दिया गया। इसके अलावा आयोग ने विभाग को यह भी निर्देश दिया कि उपभोक्ता द्वारा जमा किए गए 1 लाख 10 हजार रुपये की राशि समायोजित की जाए और संशोधित बिल जारी होने तक बिजली आपूर्ति बाधित न की जाए।

मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना को गंभीर मानते हुए आयोग ने बिजली विभाग को संयुक्त रूप से 25 हजार रुपये मुआवजा और 5 हजार रुपये वाद व्यय उपभोक्ता को देने का आदेश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यदि 45 दिनों के भीतर आदेश का पालन नहीं किया गया तो उक्त राशि पर 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

संक्षिप्त-समाचार

सड़क दुर्घटना में दंपति की मौत

चिरांग (असम)। चिरांग जिले के उत्तर सिलवाड़ी इलाके में हुए सड़क हादसे में एक दंपति की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिले के उत्तर सिलवाड़ी इलाके में वाहन के चपेट में आने से स्कूटी पर सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सीआईएसएफ के जवान राहुल राय और उनकी पत्नी अनामिका पाटवारी राय के रूप में की गई है। जबकि उनकी एकमात्र बेटी कस्तूरी राय गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे इलाज के लिए लोअर असम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों शव का पंचनामा बनाकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। दंपति की अचानक हुई मौत की वजह से पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

धुबरी (असम)। धुबरी जिले के तामारहाट इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि अन्य एक अन्य व्यक्ति को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जिले के तामारहाट के उत्तर काशखाना इलाके में बाइक और ई रिक्शा के बीच में आमने-सामने की टक्कर में गंभीर रूप से घायल भाग्यश्री राय नामक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि अन्य एक घायल मौत से अस्पताल में जूझ रहा है । घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला का शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया । पुलिस इस संबंध में दुर्घटना का एक प्राथमिकी दर्ज कर पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से पैदल जा रहे युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

राजगढ़। मध्यप्रदेश के रजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ थाना क्षेत्र में गनियारी रोड स्थित मूंडली जोड़ के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक युवक को टक्कर मार दी, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंपा और मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार बीती रात ग्राम गनियारी रोड स्थित मूंडली जोड़ के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने सतीश (30) पुत्र देवकरण वर्मा निवासी ग्राम गनियारी को टक्कर मार दी,जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नरसिंहगढ़ अस्पताल भेजा। सतीश रखवाली के लिए पैदल खेत जा रहा था, जहां बनी टापरी पर वह रात में सोता था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों के अनुसार सतीश अपने पिता का इकलौता बेटा था और उसकी दो छोटी बेटियां हैं। दस दिन पहले ही उसके दादा का निधन हुआ था, जिनका दो दिन बाद कार्यक्रम होना था। हादसे के बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से वाहन और चालक की तलाश कर रही है। मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मणिपुर में अपहृत 28 नागरिक सुरक्षित रिहा शेष की रिहाई के प्रयास जारी

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में कोटलेन और कोटजिम इंटर विलेज रोड के बीच स्थित जीरो प्वाइंट पर 13 मई को हुए दुखद हमले के बाद प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने स्थिति को सामान्य बनाने के लिए व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। इस हमले में तीन नागरिकों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हुए थे। हमला अज्ञात उग्रवादियों द्वारा किए जाने की आशंका जताई गई है। घटना के बाद कांगपोकपी जिले के लेलोन वैफेई और सापोरमेइना गांवों के समीप तथा सेनापति जिले में विभिन्न समुदायों के कई नागरिकों को रोककर रखा गया था, जिससे इलाके में तनाव का माहौल बन गया। प्रशासन, सुरक्षा बलों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के संयुक्त प्रयासों के चलते अब तक विभिन्न समुदायों से जुड़े कुल 28 नागरिकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि शेष लोगों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने तथा सुरक्षा बलों और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो सके और सभी शेष नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके।

कैंसर पीड़ित परिवार को जिला प्रशासन से मिली राहत, ऋण माफ

देहरादून। मुख्यमंत्री धामी के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन देहरादून ने आर्थिक संकट से जूझ रहे एक कैंसर पीड़ित परिवार को बड़ी राहत प्रदान की है। प्रशासन ने सीएसआर फंड के माध्यम से परिवार पर बकाया 71 हजार रुपये का ऋण जमा कराकर उन्हें ऋणमुक्त किया, वहीं रायफल क्लब मद से 50 हजार रुपये की अतिरिक्त आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई गई। रायपुर विकासखंड के मालदेवता निवासी संध्या रमोला ने जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति गले के कैंसर से पीड़ित हैं और हिमालय अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। लगातार कीमोथेरेपी और बीमारी के चलते वे काम करने में असमर्थ हो गए हैं, जिससे परिवार गंभीर आर्थिक संकट में पहुंच गया। संध्या रमोला ने बताया कि उनके दो छोटे बच्चे हैं और इलाज, दवाइयों तथा घरेलू खर्चों के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो चुकी है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह संचालन और स्वरोजगार के लिए वर्ष 2024 और 2025 में बैंक से ऋण लिया था, जिसकी किश्तें जमा न होने पर बैंक द्वारा लगभग 71 हजार रुपये जमा करने का नोटिस जारी किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी सविन बंसल ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए सीएसआर फंड से पूरी ऋण राशि सीधे बैंक खाते में जमा कराने के निर्देश दिए। साथ ही बैंक को नो ड्यूज प्रमाण पत्र जारी करने को भी कहा गया। इसके अतिरिक्त रायफल क्लब मद से 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता डीबीटी के माध्यम से संध्या रमोला के खाते में भेजी गई। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जरूरतमंद परिवार, जो किसी कारणवश योजनाओं के लाभ से वंचित रह जाते हैं या आकस्मिक संकट का सामना कर रहे हैं, उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने पोलार्ड पूरन और नारायण को बरकरार रखा

सीपीएल 2026: आंद्रे रसेल अब जमैका किंग्समेन के लिए खेलेंगे

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के लिए टीमों ने अपने स्क्वॉड को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। डिफेंडिंग चैंपियन त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने अपने मजबूत वेस्टइंडियन कोर को बरकरार रखते हुए कीरोन पोलार्ड, निकोलस पूरन, सुनील नारायण और अकील होसैन को फिर से टीम में शामिल किया है। पिछले सीजन के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे अकील होसैन भी टीम के साथ बने रहेंगे।

वहीं, स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल अब सीपीएल 2026 में नई फ्रेंचाइजी जमैका किंग्समेन की ओर से खेलते नजर आएंगे। उनके साथ रोवमैन पॉवेल भी टीम में शामिल हुए हैं। पॉवेल टीम की कप्तानी संभालेंगे। इससे पहले उन्होंने 2022 में जमैका तलावाह्स को खिताब दिलाया था। जमैका किंग्समेन ने 19 वर्षीय बाएं हाथ के रिस्ट स्पिनर वितेल लॉज को भी टीम में शामिल किया है। अंडर-19 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले लॉज ने पांच मैचों में 10 विकेट हासिल किए थे और वेस्टइंडीज के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे।

गुयाना अमेजन वॉरियर्स के प्रमुख स्पिनर गुडाकेश मोती अब बारबाडोस ट्राइडेंट्स की ओर से खेलेंगे। मोती ने पिछले सीजन में इमरान ताहिर के साथ शानदार साझेदारी निभाई थी और टीम को सीपीएल तथा ग्लोबल सुपर लीग का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। बारबाडोस ने वेस्टइंडीज के ओपनर ब्रैंडन किंग को भी रिटेन किया है। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने मोती की जगह खैरी पियरे को शामिल किया है। टीम ने शिमरॉन हेटमायर, शाई होप, रोमारियो शेफर्ड और शमार जोसेफ को भी बरकरार रखा है। इसके अलावा क्वेंटिन सैम्पसन भी टीम में बने रहेंगे।

सेंट लूसिया किंग्स ने रोस्टन चेज और मैथ्यू फोर्डे को वापस टीम में शामिल किया है। वहीं, कैरेबियन के उभरते बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कन्स से सेंट लूसिया किंग्स में शामिल हुए हैं। सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स ने काइल मेयर्स, आंद्रे फ्लेचर और एलिक अथानाजे को रिटेन किया है। जेसन होल्डर भी टीम के साथ बने रहेंगे। इसके अलावा टीम ने सीपीएल इतिहास के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स को भी शामिल किया है। इविन लुईस अब फाल्कन्स के लिए खेलेंगे।

सीपीएल 2026: सभी टीमों के स्क्वॉड

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कन्स- अल्जारी जोसेफ, इविन लुईस, फैबियन एलन, जेडन सील्स, आमिर जंगू, शमार स्प्रिंगर, जहमार हैमिल्टन, रहकीम कॉर्नवाल, एंडरसन फिलिप, करीमा गोर, एंडरसन महासे, जोशुआ जेम्स। **बारबाडोस ट्राइडेंट्स**- गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, ब्रैंडन किंग, जैकरी कार्टर, कदीम एलेन, रेमन सिमंड्स, शैड्रैक डेसकार्टे, जिशान मोटारा, जाकीम पोलार्ड, जोहान लेन, कोफी जेम्स। **गुयाना अमेजन वॉरियर्स**- शिमरॉन हेटमायर, रोमारियो शेफर्ड, शाई होप, खैरी पियरे, शमार जोसेफ, रोनाल्डो अलीमोहम्मद, वीरासामी पर्मौल, मैथ्यू नंदू, जोनाथन वैन लैंगे, मवेंद्र डिंडयाल, इसाई थॉर्न, क्वेंटिन सैम्पसन। **जमैका किंग्समेन**- रोवमैन पॉवेल, आंद्रे रसेल, कीमो पॉल, कीसी कार्टी, जेडियाह ब्लेड्स, शाककेरे पैरिस, ओडियन स्मिथ, वितेल लॉज, रोमैने मॉरिस, किर्क मैकेंजी, केल्विन पिटमैन, जीवर रॉयल। **सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स**- जॉनसन चार्ल्स, जेसन होल्डर, काइल मेयर्स, आंद्रे फ्लेचर, केविन विकहम, ओबेड मैकॉय, अशमीड नेड, जेरमिया लुईस, एलिक अथानाजे, मिकाह मैकेंजी, नवीन बिदाइसी, मिकाइल लुईस। **सेंट लूसिया किंग्स**- रोस्टन चेज, ज्वेल एंड्रयू, मैथ्यू फोर्डे, कामिल पूरन, डैरन नेड, मैककेनी क्लार्क, जोशुआ बिशप, डेमियन जोआकिम, कीऑन गैस्टन, अमारी गुडरिज, जोहान जेरमिया, अकीम ऑगस्टे। **त्रिनबागो नाइट राइडर्स**- सुनील नारायण, निकोलस पूरन, कीरोन पोलार्ड, अकील होसैन, जस्टिन ग्रीव्स, डोमिनिक ड्रेक्स, जाइड गूली, डेक्सटर स्वीन, टेरेंस हिंड्स, नाथन एडवर्ड, जोशुआ डा सिल्वा, अब्दुल रहीम टॉपिन।

ज्यादा सोच टीम को नुकसान पहुंचा सकती है: ऋषभ पंत

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

फोटोः हि.स.

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उस समय बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जब टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार तीन विकेट गंवा दिए थे। मैच के बाद पंत ने खुलासा किया कि यह फैसला उन खिलाड़ियों को मौका देने के लिए लिया गया, जिन्हें आईपीएल 2026 में ज्यादा बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। 188 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए एलएसजी ने 12वें ओवर तक बिना विकेट खोए 135 रन बना लिए थे। इसके बाद टीम ने नौ रन के भीतर तीन विकेट गंवा दिए। इसके बावजूद ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए नहीं आए। निकोलस पूरन के बाद अब्दुल समद और मुकुल चौधरी को बल्लेबाजी के लिए भेजा गया। आखिरकार एलएसजी ने सात विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद पंत ने कहा, मैं बल्लेबाजी के लिए तैयार था, लेकिन टीम मैनेजमेंट की ओर से विचार आया कि क्यों न उन खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिन्हें इस सीजन में ज्यादा अवसर नहीं मिले हैं। मैं लगातार सोच रहा था कि मुझे जाना चाहिए या नहीं, क्योंकि मैं मैदान पर उतरना चाहता था। लेकिन कभी-कभी आपको टीम के सोच और फैसले का सम्मान करना पड़ता है।

इस सीजन में पंत ने नंबर-4 से नीचे बल्लेबाजी नहीं की है। उन्होंने 11 पारियों में सात बार नंबर-3, तीन बार नंबर-4 और एक बार ओपनिंग की है। मैच के दौरान भी वह पैड पहनकर डगआउट में बैठे नजर आए थे।

एलएसजी ने इस सीजन में कई बार अपनी ओपनिंग जोड़ी बदली। फिलहाल मिशेल मार्श और जोश इंग्लिस टीम के नियमित ओपनर हैं। एडेन मार्करम ने भी टीम के लिए ओपनिंग की है। टीम ने विदेशी खिलाड़ियों को शीर्ष क्रम में उतारने की रणनीति अपनाई थी, लेकिन यह लगातार सफल नहीं हो सकी। इंग्लिस लंबे समय तक टीम से बाहर रहे, जबकि मार्करम और निकोलस पूरन भी उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सके।

रणनीति पर बात करते हुए पंत ने कहा, हमारा पहला विचार यही था कि दो विदेशी बल्लेबाज ओपनिंग करें और निकी (निकोलस पूरन) नंबर-3 पर बल्लेबाजी करें। लेकिन कई बार सोच को मैदान पर सही तरीके से लागू करना मुश्किल हो जाता है। हमें अपनी टीम पर भरोसा है, लेकिन निराशा तब होती है जब आपको पता हो कि आपकी टीम में क्षमता है, फिर भी छोटी-छोटी रणनीतिक बातों के कारण आप अपनी योजनाओं को लागू नहीं कर पाते।

उन्होंने आगे कहा, मेरे हिसाब से टीम को सबसे ज्यादा नुकसान ज्यादा सोच से हो सकता है।

यह पहला मौका नहीं है जब पंत ने ड्रेसिंग रूम में कई लोगों की राय को लेकर टिप्पणी की हो।

प्रज्ञानानंद ने विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर सिंदारोव को हराया

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026

एजेंसी (हि.स.)
बुखारेस्ट

फोटोः हि.स.

भारत के ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड चेस टूर के सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026 के दूसरे दौर में शुक्रवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव को काले मोहरों से मात दी।

डिफेंडिंग चैंपियन प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ मुश्किल स्थिति से ड्रॉ बचाया था। दूसरे दौर में जीत दर्ज करने के बाद वह 2 मुकाबलों में 1.5 अंक के साथ शुरूआती बढ़त हासिल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए हैं। गौरतलब है कि पहले दौर की सभी पांच बाजियां ड्रॉ रही थीं।

यह जीत प्रज्ञानानंद के लिए बदले जैसी भी रही, क्योंकि 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में सिंदारोव ने उन्हें दोनों मुकाबलों में हराया था। उन मुकाबलों में उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव ने घोड़े की कुबार्नी देकर आक्रामक खेल दिखाया था।

हालांकि इस बार भी सिंदारोव ने घोड़े की बलि दी, लेकिन प्रज्ञानानंद ने शांत और सटीक बचाव करते हुए अतिरिक्त मोहरे का फायदा उठाया और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सुपर चेस क्लासिक रोमानिया 2026, 10 खिलाड़ियों के बीच खेला जा रहा क्लासिकल राउंड-रॉबिन टूर्नामेंट है और यह 2026 ग्रैंड चेस टूर का दूसरा टूर्नामेंट है।

एस्टन विला ने लिवरपूल को 4-2 से रौंदा, चैंपियंस लीग का टिकट कटाया

बर्मिंघम। ओली वाटकिंस के दो गोल की मदद से एस्टन विला ने प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में लिवरपूल को 4-2 से हराकर अगले साल की चैंपियंस लीग में अपनी जगह पक्की कर ली। विला ने इस जीत से अगले सप्ताह होने वाले यूरोपा लीग के फाइनल के लिए भी अपनी पुख्ता तैयारियों का सबूत पेश किया। यूरोपा लीग के निर्णायक मुकाबले में विला का सामना फ्रीबर्ग से होगा। विला ने इस जीत से प्रीमियर लीग में शीर्ष पांच में जगह पक्की कर ली है। उसके अभी 37 मैच में 62 अंक है और वह आर्सेनल (79), मैनचेस्टर सिटी (77) और मैनचेस्टर यूनाइटेड (65) के बाद चौथे स्थान पर है। लिवरपूल 59 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। वाटकिंस ने 56वें और 72वें मिनट में गोल किये। उनके अलावा विला की तरफ से मोर्गन रोजर्स (41वें) और जॉन मैकगिन (88वें) ने गोल दागे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दबाव झेलने के लिए पूरी तरह तैयार भारतीय महिला हॉकी टीम : सलीमा टेटे

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

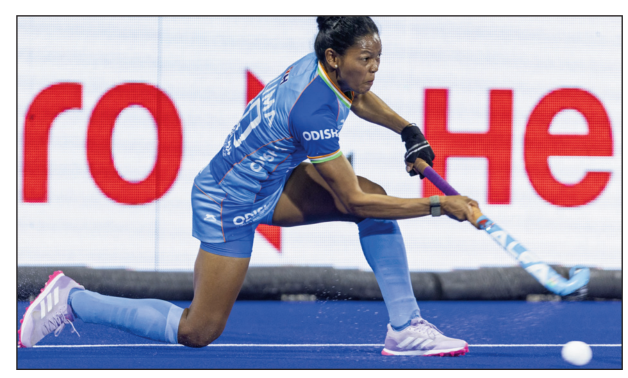

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कहा है कि टीम किसी भी तरह के दबाव से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में टीम का प्रशिक्षण शिविर बेहद मेहनत और अनुशासन के साथ चल रहा है। अर्जेंटीना दौरे में मिले अनुभव को सकारात्मक बताते हुए सलीमा ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले आगामी विश्व कप और एशियाई खेलों जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होंगे।

सलीमा टेटे ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ऑस्ट्रेलिया एक मजबूत टीम है और उनके खिलाफ खेलने से हमें उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा। हम इस दौरे को लेकर काफी उत्साहित हैं और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे। कोचिंग स्टाफ लगातार हमारे साथ मेहनत कर रहा है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि टीम में नई प्रतिभाओं को लगातार अवसर दिए जा रहे हैं और वे अच्छा प्रदर्शन भी कर रही हैं। कप्तान के अनुसार टीम का संतुलन और भविष्य दोनों मजबूत दिखाई दे रहे हैं। फिटनेस को टीम की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए सलीमा ने कहा, हर खिलाड़ी फिटनेस पर काफी मेहनत कर रहा है। किसी भी मजबूत टीम को हराने के लिए फिटनेस बेहद जरूरी होती है। जूनियर खिलाड़ी भी अपनी फिटनेस सुधारने पर ध्यान दे रहे हैं। हमने विश्व कप क्वालीफायर में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन अभी और सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने अर्जेंटीना दौरे को टीम के लिए महत्वपूर्ण अनुभव बताते हुए कहा कि वहां शीर्ष स्तर की टीमों के खिलाफ खेलने से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ा है और टीम संयोजन को बेहतर समझने का मौका मिला। सलीमा ने कहा, अर्जेंटीना में पूरी टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहां का अनुभव ऑस्ट्रेलिया दौरे, नेशंस कप, विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में काफी मदद करेगा। हमारा फोकस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और हम वहां भी वही लय बरकरार रखना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम अनुशासित होकर अपनी रणनीति के अनुसार खेलना चाहते हैं। हर खिलाड़ी को अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करना होगा ताकि टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया जा सके।

दर्पण विशेष

विश्व दूरसंचार दिवस: डिजिटल युग की जीवनरेखा और वैश्विक जुड़ाव का महापर्व

आज के आधुनिक युग में यदि हमसे कोई कहे कि एक दिन के लिए बिना मोबाइल, इंटरनेट या किसी संचार माध्यम के रहकर दिखाएं, तो शायद यह अधिकांश लोगों के लिए असंभव सा प्रतीत होगा। सुबह की अलार्म से लेकर रात के आखिरी मैसेज तक, हमारी पूरी दिनचर्या आज डिजिटल तरंगों के इर्द-गिर्द सिमट चुकी है। हर वर्ष 17 मई को दुनिया भर में 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस' मनाया जाता है। यह दिन न केवल संचार के क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति को रेखांकित करता है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि कैसे इस तकनीक ने सात समंदर पार बैठे लोगों को एक क्लिक पर लाकर खड़ा कर दिया है। वैश्विक स्तर पर फैली डिजिटल असमानता को पाटने, नई तकनीकों जैसे 5G, 6G और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसको अपनाने तथा अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सूचना पहुंचाने के संकल्प के साथ यह दिवस मनाया जा रहा है। इस वर्ष (2026) की थीम 'डिजिटल लाइफलाइंस: एक जुड़ी हुई दुनिया में लचीलापन मजबूत करना' रखी गई है, जो यह स्पष्ट करती है कि आज दूरसंचार महज एक सुविधा नहीं, बल्कि मानवता की जीवनरेखा बन चुका है।

बढ़ती तकनीक के साथ गंभीर चुनौतियाँ

जहाँ एक तरफ दूरसंचार ने हमारे जीवन को बेहद सुगम बनाया है, वहीं इसके दूसरे पहलू या चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। डिजिटल डिवाइडः आज भी शहरों और विकसित क्षेत्रों की तुलना में सुदूर ग्रामीण, पर्वतीय और जनजातीय इलाकों में नेटवर्क की पहुंच और इंटरनेट की गति कमजोर है। इस डिजिटल असमानता को दूर करना आज भी एक बड़ी चुनौती है। साइबर अपराध और डेटा सुरक्षाः जैसे-जैसे निर्भरता बढ़ रही है, साइबर ठगी, फिशिंग, डेटा लीक और पहचान की चोरी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वित्तीय धोखाधड़ी से आम जनता को बचाना एक गंभीर विषय है। मानसिक स्वास्थ्य और स्क्रीन एडिक्शनः स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की लत ने युवाओं और बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है। शारीरिक सक्रियता कम हो रही है और लोग आभासी दुनिया में खोते जा रहे हैं। फेक न्यूज और भ्रामक जानकारियांः सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाहें और फेक न्यूज सेकंडों में फैल जाती हैं, जिससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा रहता है। एक जिम्मेदार मीडिया आउटलेट होने के नाते, यह हमारे लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

भविष्य की राहः 2026 और उससे आगे की चुनौतियां

भविष्य पूरी तरह से कनेक्टेड और इंटेलिजेंट डिवाइसेज का है। आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, और सैटकॉम (सैटेलाइट कम्युनिकेशन) दूरसंचार के क्षेत्र को पूरी तरह से री-डिफाइन करने वाले हैं। सैटेलाइट इंटरनेट के आने से उन दुर्गम पहाड़ी और रेगिस्तानी इलाकों में भी हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंच सकेगा जहां तार बिछाना नामुमकिन है। दूरसंचार के विकास में पर्यावरण का ध्यान रखना भी बेहद जरूरी है। ग्रीन टेलीकॉम और कम ऊर्जा खपत वाले टावरों व सर्वर्स का निर्माण समय की मांग है।

कब और कैसे हुई शुरूआत

दूरसंचार का इतिहास उतना ही रोचक है जितना कि इसका वर्तमान। इस दिवस को मनाने की जड़ें 19वीं शताब्दी से जुड़ी हैं। **1865 का ऐतिहासिक समझौताः** 17 मई 1865 को पेरिस में दुनिया के पहले अंतरराष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसी ऐतिहासिक दिन 'अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ' की नींव पड़ी थी, जो आज संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी विशेष एजेंसियों में से एक है। **1969 में आधिकारिक शुरूआतः** आधुनिक रूप में इस दिवस को मनाने की शुरूआत वर्ष 1969 में हुई। इसके बाद, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2005 में 'विश्व सूचना समाज दिवस' घोषित किया। **2006 का विलयः** नवंबर 2006 में टर्की में आयोजित अंताल्या सम्मेलन के दौरान अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ ने दोनों दिवसों को मिलाकर इसे 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस' के रूप में संयुक्त रूप से मनाने का निर्णय लिया। तब से हर साल 17 मई को यह वैश्विक स्तर पर मनाया जाता है।

टेलीग्राम से लेकर 5G और अकतक का सफर

मानव सभ्यता ने संचार के क्षेत्र में एक लंबा और अकल्पनीय सफर तय किया है। एक दौर था जब कबूतरों या घुड़सवारों के जरिए संदेश भेजे जाते थे, जिनमें हफ्तों या महीनों का समय लगता था। इसके बाद चिट्ठी-पत्री और डाक व्यवस्था का दौर आया। टेलीग्राफ और लैंडलाइन का दौरः सैम्युअल मोर्स के टेलीग्राफ और अलेक्जेंडर ग्राहम बेल द्वारा टेलीफोन के आविष्कार ने दुनिया को चौंका दिया। घरों में लगे पीतल के चोंगे वाले फोन और ट्रंक कॉल बुक करने का दौर बुजुर्गों की यादों में आज भी ताजा है। मोबाइल क्रांतिः 1990 के दशक के उत्तरार्ध और 2000 की शुरूआत में मोबाइल फोन ने दस्तक दी। भारत में इनकमिंग कॉल के लिए भी पैसे देने वाले दौर से निकलकर आज हम असीमित डेटा के युग में जी रहे हैं। इंटरनेट और स्मार्टफोनः इंटरनेट के आने से 'ग्लोबल विलेज' (वैश्विक गांव) की परिकल्पना सच साबित हुई। सोशल मीडिया (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम) ने संवाद की परिभाषा ही बदल दी। 5G और 6G की दस्तकः वर्तमान में भारत सहित दुनिया के अधिकांश हिस्से 5G की सुपरफास्ट स्पीड का आनंद ले रहे हैं। बिना बफरिंग के वीडियो, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), और अब 6G की तैयारियों ने भविष्य के नए द्वार खोल दिए हैं।

विभिन्न क्षेत्रों पर दूरसंचार का अभूतपूर्व प्रभाव

दूरसंचार क्रांति ने केवल बातचीत के तरीकों को ही नहीं बदला, बल्कि समाज के आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। शिक्षा क्षेत्र में (E-Education) कोरोना काल के बाद से शिक्षा का पूरी तरह से डिजिटलीकरण हो चुका है। दूरदराज के गांवों में बैठा छात्र भी आज दिल्ली या वैश्विक विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों से ऑनलाइन पढ़ सकता है। यूट्यूब, जूम और विभिन्न एजुकेशनल ऐप्स ने ज्ञान को लोकतांत्रिक बना दिया है। स्वास्थ्य सेवाएँ (Telemedicine) दूरसंचार की मदद से आज 'टेलीमेडिसिन' एक वरदान साबित हो रही है। यदि ग्रामीण इलाकों में विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं, तो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बड़े अस्पतालों के डॉक्टर मरीजों का इलाज और परामर्श दे रहे हैं। आपातकालीन स्थितियों में डिजिटल सिग्नल्स और एम्बुलेंस ट्रैकिंग सिस्टम जान बचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बैंकिंग और अर्थव्यवस्था (Digital India & Fintech) भारत आज डिजिटल भुगतान के मामले में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। सब्जी की रेहड़ी से लेकर बड़े मॉल्स तक, सब कुछ एक क्यूआर कोड पर सिमट गया है। दूरसंचार नेटवर्क की मजबूती के कारण ही करोड़ों लोग आज बिना बैंक जाए अपने मोबाइल से लेन-देन कर पा रहे हैं। ई-गवर्नेंस और पारदर्शिता : सरकारी योजनाएं अब सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुँच रही हैं (DBT)। राशन कार्ड, आधार कार्ड, पेंशन, या जमीन के रिकॉर्ड–सब कुछ डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से सुलभ है, जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और पारदर्शिता बढ़ी है।

भारत में दूरसंचार क्रांति

भारतीय दूरसंचार उद्योग आज दुनिया के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। ग्राहक संख्या और इंटरनेट उपयोगकताओं के मामले में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है। **गाँवों तक ब्रॉडबैंडः** भारत सरकार के 'भारतनेट' प्रोजेक्ट के तहत देश की दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। 6 लाख से अधिक गांवों को 4G/5G नेटवर्क के दायरे में लाया गया है। **स्वदेशी तकनीक का विकासः** भारत अब केवल तकनीकों का आयातक नहीं रहा, बल्कि देश ने स्वदेशी 4G और 5G स्टैक विकसित कर दुनिया को हैरान किया है। देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनियों ने रिकॉर्ड समय में देश के कोने-कोने तक 5G सेवाएं पहुंचाई हैं। **सस्ता डेटाः** दुनिया में सबसे सस्ता इंटरनेट डेटा प्रदान करने वाले देशों में भारत शुमार है, जिसके कारण समाज के सबसे निचले तबके का व्यक्ति भी आज स्मार्टफोन और इंटरनेट का इस्तेमाल कर पा रहा है।

प्रशासक ने मेधावी विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग एवं सहायता पहल की घोषणा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल एवं यू.टी. चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज पंजाब लोक भवन, चंडीगढ़ में आयोजित प्रतिभाशाली छात्र सम्मान समारोह के दौरान सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सरकारी विद्यालय के विद्यालयों के 57 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। विद्यार्थियों को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए प्रशासक ने कहा कि उनकी सफलता समर्पण, अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ-साथ शिक्षकों के अमूल्य मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के अटूट सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की उपलब्धियों ने चंडीगढ़ को गौरवान्वित किया है तथा सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था में निरंतर बढ़ रही शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया है। अपने संबोधन में श्री कटारिया ने चंडीगढ़ के सरकारी विद्यालयों के प्रदर्शन में निरंतर सुधार की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 12वीं परीक्षा में सरकारी विद्यालयों का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 87.25 रहा, जो राष्ट्रीय औसत 85.2 प्रतिशत से 2.05 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष 57 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 29 थी, जो शैक्षणिक परिणामों में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाती है। प्रशासक ने आगे बताया कि इस वर्ष 348 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 225 थी। छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि छात्राओं ने 90.55 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत प्राप्त कर राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन किया है तथा शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी निरंतर उत्कृष्टता को पुनः सिद्ध किया है। कटारिया ने जी.एम.एस.एस.एस.-35 के छात्र अनूप सैनी, जिन्होंने 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए तथा पीएम श्री जी.जी.एम.एस.एस.एस.-18 की छात्रा वंशिका जैन, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बावजूद 96 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, की विशेष सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण हैं तथा उनका संकल्प, धैर्य और साहस अनुकरणीय है। अपने संबोधन में प्रशासक ने विद्यार्थियों को नवाचार, उभरती तकनीकों और आधुनिक शिक्षण अवसरों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डेटा साइंस, ग्रीन टेक्नोलॉजी और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने का आान किया। साथ ही उन्होंने विनम्रता, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों को बनाए रखने पर भी बल दिया। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को नशे एवं नकारात्मकता से दूर रहकर समाज और राष्ट्र के प्रति सकारात्मक योगदान देने की प्रेरणा दी।

प्रशासक ने आगे कहा कि चंडीगढ़ प्रशासन विद्यार्थियों की योग्यता, रुचि और आकांक्षाओं के अनुरूप करियर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए संरचित करियर काउंसलिंग पहल की योजना बना रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता एवं उच्च शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए औद्योगिक जगत एवं अन्य हितधारकों के सहयोग को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशासक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शिक्षा विभाग, चंडीगढ़ प्रशासन को बधाई दी तथा विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को उनके निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विवेक प्रताप सिंह, चंडीगढ़ प्रशासन की शिक्षा सचिव सुश्री प्रेरणा

स्वच्छता और स्वास्थ्य का संदेश लेकर स्कूलों में पहुँचा नगर निगम पंचकूला: विनय कुमार

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

नगर निगम पंचकूला द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और बीमारी मुक्त बनाने के उद्देश्य से स्कूली बच्चों के बीच एक व्यापक जागरूकता मुहिम की शुरूआत की गई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में बचपन से ही स्वच्छता की आदतें डालना और उनके माध्यम से पूरे परिवार व समाज तक स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य का संदेश पहुँचाना है। इस मुहिम के तहत निगम की टीमें पंचकूला के विभिन्न सरकारी और निजी स्कूलों में पहुँचकर व्यापक स्तर पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर रही हैं। बच्चों को खेल-खेल में जागरूक करने के लिए स्कूलों में कई तरह की रोचक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। बच्चे रंगों और ब्रश के माध्यम से ह्यगीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग करनाह्न, ह्यप्लास्टिक मुक्त पंचकूलाह्न और ह्यपर्यावरण संरक्षणह्न जैसे विषयों पर सुंदर पेंटिंग्स बना रहे हैं। स्वच्छता, कचरा प्रबंधन और व्यक्तिगत स्वास्थ्य से जुड़े सवालों के जरिए बच्चों के सामान्य ज्ञान को परखा और बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा स्कूलों में स्वच्छता की शपथ, स्लोगन लेखन और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाया जा रहा है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रों को नगर निगम द्वारा सम्मानित भी किया जा रहा है। नगर निगम के आयुक्त श्री विनय कुमार ने बताया की बच्चे हमारे समाज की नींव हैं और वे सबसे बेहतरीन बदलाव लाने वाले साबित हो सकते हैं। जब एक बच्चा स्कूल में स्वच्छता का पाठ सीखकर अपने घर जाता है, तो वह अपने माता-पिता और आस-पड़ोस के लोगों को भी कचरा सही जगह फेंकने और साफ-सफाई रखने के लिए टोकता है। बच्चों के माध्यम से यह ज्ञान हर परिवार तक पहुँचेगा, जिससे पूरे पंचकूला में एक सकारात्मक बदलाव आएगा। आयुक्त ने बताया की शहर के स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस अभियान में कचरा वर्गीकरण पर खास ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें बच्चे नीले और हरे डस्टबिन का सही उपयोग करके सूखा और गीला कचरा अलग करना सीख रहे हैं। साथ ही, सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगाने और कपड़े के थैलों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए भी बच्चों को प्रेरित किया जा रहा है। स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर जोर देते हुए उन्हें संक्रामक बीमारियों से बचने के लिए सही तरीके से हाथ धोने की आदतें अपनाने और आस-पास पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक किया जा रहा है।

एनएचपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 3618 करोड़ रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया और 0.21 रुपए प्रति शेयर के लाभांश की घोषणा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

एनएचपीसी लिमिटेड, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक 'नवरत्न' पीएसयू, ने अपने निदेशक मंडल की मंजूरी के साथ वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपने लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 3084 करोड़ रूपए की तुलना में वित्त वर्ष 2025-26 में एकल आधार पर 3618 करोड़ रूपए का कर पश्चात लाभ(पीएटी) अर्जित किया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 17% अधिक है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए समेकित शुद्ध लाभ पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 3412 करोड़ रूपए की तुलना में 4220 करोड़ रूपए रहा, जिसमें 24% की वृद्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1.40 रूपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त निदेशक मंडल ने 0.21 रूपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। तदनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल लाभांश प्रति शेयर 1.61 रूपए है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, कंपनी ने 03 परियोजनाओं, नामतः सुबनसिरी लोअर परियोजना (2000 में से 750 मेगावाट), पार्बती परियोजना (800 मेगावाट) और करनिसार सौर परियोजना (300 मेगावाट) को चालू कर के 1850 मेगावाट क्षमता का संवर्धन किया है, जो कंपनी के इतिहास में किसी भी वित्तीय वर्ष के दौरान सबसे अधिक क्षमता वृद्धि है। इसके अलावा, कंपनी के पावर स्टेशनों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 25 पावर स्टेशनों से एकल आधार पर 7401 मेगावाट की संस्थापित क्षमता के साथ 23307 मिलियन यूनिट (एमयू) का उत्पादन हासिल किया। एनएचपीसी के पास वर्तमान में अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के साथ 31 पावर स्टेशनों से 9333 मेगावाट की संस्थापित क्षमता है और कंपनी 9204 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता वाली 17 परियोजनाओं का निर्माण कार्य कर रही है। इसके साथ ही, 10263 मेगावाट की कुल क्षमता वाली 09 परियोजनाएं मंजूरी स्तर पर हैं और 09 परियोजनाएं सर्वेक्षण एवं अन्वेषण स्तर पर है जिनकी समेकित क्षमता 9830 मेगावाट है।

आकाशवाणी के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वॉकाथॉन का आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

आकाशवाणी के गौरवपूर्ण 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार सुबह एक भव्य वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आकाशवाणी चंडीगढ़, दूरदर्शन, पत्र सूचना कार्यालय , सीसीडब्ल्यू सहित विभिन्न संस्थानों के 200 से अधिक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वॉकाथॉन को श्री सुमीत गोयल, डीडीजी एवं क्लस्टर हेड, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में उत्साह, एकजुटता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर विकास भट्ट, निदेशक (इंजीनियरिंग); श्रीमती पूनम अमृत सिंह, प्रोग्राम हेड, आकाशवाणी; अश्वनी कुमार, न्यूज हेड अक्ष्क्ष सुश्री आकांक्षा सक्सेना, न्यूज हेड; श्री प्रीतम सिंह, निदेशक, पत्र सूचना कार्यालय चंडीगढ़; श्रीमती मीनाक्षी कालिया, एडीपी, आकाशवाणी; तथा श्री अश्वनी कुमार, प्रोग्राम एग्जीक्यूटिव सहित विभिन्न सहयोगी संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वॉकाथॉन को आम नागरिकों से भी अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रातः भ्रमण करने वाले अनेक लोगों तथा आकाशवाणी के पुराने श्रोताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए आकाशवाणी से जुड़ी अपनी पुरानी यादें एवं अनुभव प्रतिभागियों के साथ साझा किए। यह आयोजन आकाशवाणी और जनसामान्य के बीच दशकों पुराने आत्मीय संबंधों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ स्वास्थ्य, सद्भावना एवं सामूहिक सहभागिता का संदेश देने में सफल रहा।

पीजीआई में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्स सप्ताह 2026

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एजुकेशन, पीजीआई, चंडीगढ़ ने SNAI और TNAI, UT ब्रांच चंडीगढ़ के बैनर तले अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया। पीजीआई के मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रोफेसर अशोक कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और TNAI, नॉर्थ जोन की प्रेसिडेंट श्रीमती ज्योति वालिया इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थीं। SNAI द्वारा TNAI UT ब्रांच चंडीगढ़ के तत्वावधान में आयोजित भविष्य की नर्स लीडर्स को तैयार करना विषय पर संगोष्ठी में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पीजीआई चंडीगढ़ और जीएमसीएच-32, चंडीगढ़ के TNAI सदस्यों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। TNAI, नॉर्थ जोन की प्रेसिडेंट और विशिष्ट अतिथि श्रीमती ज्योति वालिया ने TNAI और SNAI सदस्यों को TNAI द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं पर जोर दिया। NINE, FEAFEAFB की प्रोफेसर-सह-प्रिंसिपल और ब्रांच चंडीगढ़ की प्रेसिडेंट डॉ. सुखपाल कौर ने स्वागत भाषण दिया और नर्सों को तैयार करने के महत्व के बारे में बात की। चंडीगढ़ की सेक्रेटरी डॉ. सुनीता शर्मा ने इस वर्ष की थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्यः नर्सों को सशक्त बनाएं, जीवन बचाएं का अनावरण किया, जो स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में नर्सों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका के लिए उनकी सुरक्षा, सम्मान और महत्व की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

मुख्य अतिथि ने इस बात पर जोर दिया कि नर्सें न केवल भविष्य हैं, बल्कि वर्तमान भी हैं। उन्होंने बताया कि नर्सें स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के स्तंभ और रीढ़ हैं, और हम सक्षम और दयालु नर्सों के बिना अच्छी चिकित्सा देखभाल की कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्होंने अपनी बात यह कहकर समाप्त की कि ढक्क्ष में हमारे पास देश की सबसे बेहतरीन नर्सें हैं। डॉ. सुनीता शर्मा; श्रुति; ममता सूर्यवंशी; नर्सिंग ऑफिसर और नर्स वेलफेयर एसोसिएशन, PGI की प्रेसिडेंट सुश्री आरती सैनी; और PGI की नर्सिंग ऑफिसर तथा TNAI चंडीगढ़ के नर्सिंग सर्विस सेक्शन की चेयरपर्सन सुश्री निशा ने संगोष्ठी से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

सीपेट मुरथल में कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपेट), मुरथल, सोनीपत द्वारा कौशल भारत अभियान के अंतर्गत हरियाणा राज्य के अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार एवं वंचित पात्र युवक-युवतियों से लघु अवधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए निदेशालय, सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़े वर्ग कल्याण व अंत्योदय समिति (सेवा) विभाग हरियाणा के प्रवक्ता ने बताया कि आवेदक हरियाणा राज्य का अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि सहायक मशीन ऑपरेटर (इंजेक्शन मोल्डिंग) पाठ्यक्रम के लिए 200 सीटें तथा सहायक मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक प्रोसेसिंग), सहायक मशीन ऑपरेटर (प्लास्टिक एक्सट्रूजन) एवं सहायक मशीन ऑपरेटर (ब्लो मोल्डिंग) पाठ्यक्रमों के लिए 80-80 सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। तीन माह अवधि के इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए आवेदक का दसवीं पास होना अनिवार्य है तथा न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित की गई है।

प्रवक्ता ने बताया कि पात्र उम्मीदवारों को प्रवेश हेतु आवश्यक दस्तावेज जैसे शैक्षणिक प्रमाण पत्र/मार्कशीट, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा रंगीन पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ साथ लाने होंगे। उन्होंने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति सहित सीपेट, मुरथल, सोनीपत में आवेदन कर सकते हैं। जो अभ्यर्थी पहले किसी भी सीपेट केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, वे आवेदन के पात्र नहीं होंगे। प्रवेश प्रक्रिया संस्थान के नियमानुसार संपन्न की जाएगी। आवेदक अपना आवेदन ईमेल के माध्यम से भी भेज सकते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

OTTSCON 2026 में ट्रॉमा सर्जरी, 3डी प्रिंटिंग और ऑर्थो बायोलॉजिक्स में नए आविष्कारों पर रोशनी डाली जाएगी

चंडीगढ़। भारत में राष्ट्रीय सम्मेलन 16 और 17 मई 2026 को मोहाली के रेडिसन रेड होटल में आयोजित किया जा रहा है। OTTSCON 2026 नामक यह सम्मेलन भारत के शीर्ष ट्रॉमा सर्जनों की वार्षिक बैठक के रूप में आयोजित किया जाता है, जहाँ वे मिलते हैं और जटिल ट्रॉमा तथा अन्य चोटों के प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करते हैं। इस वर्ष, 7 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ और 60 से अधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ इस विचार-विमर्श में भाग लेंगे। इसमें दो विशेष संगोष्ठियाँ होंगी; एक 'फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर' (हड्डियों की कमजोरी से होने वाले फ्रैक्चर) पर, जो दुनिया भर में एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, क्योंकि बुजुर्ग लोगों में चोट लगने और उससे जुड़ी जटिलताएँ पैदा होने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। यह संगोष्ठी आबादी के इस संवेदनशील वर्ग की देखभाल के मानकों को निर्धारित करने में मदद करेगी। दूसरी संगोष्ठी 'ऑथोर्पेडिक्स में संक्रमण' पर है, जो अपने आप में एक ऐसी समस्या है जिसका दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि फ्रैक्चर के इलाज के लिए अब ज्यादा से ज्यादा इंप्लांट्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। ये दोनों संगोष्ठियाँ और ऑथोर्पेडिक ट्रॉमा के विभिन्न पहलुओं पर होने वाले अन्य व्याख्यान–जिनमें बच्चों के फ्रैक्चर से लेकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले विशिष्ट फ्रैक्चर पर चर्चाएँ शामिल हैं–इस क्षेत्र के सर्जनों को उनके ट्रॉमा प्रबंधन कौशल को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। इस सम्मेलन में पूरे भारत से 350 से अधिक ऑथोर्पेडिक सर्जन शामिल होंगे। दो विशेष चर्चाएँ 3ऊप्रिंटिंग और वर्तमान चिकित्सा पद्धति में 'ऑर्थो बायोलॉजिक्स' की भूमिका पर केंद्रित होंगी।

पंचकूला की मंडियों में अब तक 37109 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद तथा 36850 मीट्रिक टन गेंहू का हुआ उठान

पंचकूला। जिला में रबी सीजन 2026-27 के दौरान गेंहू की खरीद एवं उठान का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा जिला की मंडियों में से अब तक 37109 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई और 36850 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि सरकारी खरीद एजेंसियों हैफेड और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा रायपुररानी, बरवाला और पंचकूला स्थित अनाज मंडियों में गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने बताया कि रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4800 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13697 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8744 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। इसके अलावा पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 2028 मीट्रिक टन गेंहू की खरीद की गई। उन्होने बताया कि मंडियों में खरीद के साथ साथ उठान का कार्य भी सुचारू रूप से चल रहा है। रायपुररानी अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 4800 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कोरपोरेशन द्वारा 13687 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। इसी प्रकार बरवाला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 7850 मीट्रिक टन गेंहू और हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोशन द्वारा 8744 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया। पंचकूला अनाज मंडी से हैफेड द्वारा 1769 मीट्रिक टन गेंहू का उठान किया गया।

आज फिर पीयू में पर्यावरण मित्र द्वारा इंडियन रैट स्नेक का सफल रेस्क्यू

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी के बॉयज हॉस्टल नंबर-4 में उस समय हड़कंप मच गया, जब वहां एक सांप दिखाई दिया। इसकी सूचना तुरंत पर्यावरण मित्र जगजीत कुमार को दी गई। सूचना मिलते ही जगजीत कुमार मौके पर पहुंचे और सांप का सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया। बाद में सांप को उसके अनुकूल प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। गौरतलब है कि हाल ही में पंजाब यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल तथा फाइन आर्ट्स विभाग से भी सांपों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर उन्हें प्राकृतिक वातावरण में आजाद किया गया था। पर्यावरण मित्र जगजीत कुमार पंजाब यूनिवर्सिटी के सुरक्षा विभाग में कार्यरत हैं। विश्वविद्यालय परिसर में कहीं से भी सांप दिखाई देने की सूचना मिलने पर वे तुरंत मौके पर पहुंचकर सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू करते हैं तथा उन्हें उनके अनुकूल क्षेत्र में छोड़ देते हैं। इससे पर्यावरण संतुलन एवं इको बैलेंस सिस्टम बनाए रखने में सहायता मिलती है। बॉयज हॉस्टल नंबर-4 से जिस सांप का रेस्क्यू किया गया, वह इंडियन रैट स्नेक था, जो कि एक विषहीन सांप होता है।

ट्राइसिटी विमेन क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंचीं फ्यूचर स्टार और क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए

पंचकूला। ट्राइसिटी विमेन क्रिकेट टूनार्मेंट के सेमीफाइनल मुकाबलों में फ्यूचर स्टार वुमन क्रिकेट अकादमी पुंडरी और क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वे रविवार को खिताब के लिए आमने-सामने होंगी। ताऊ देवी लाल स्टेडियम में खेले पहले सेमीफाइनल में फ्यूचर स्टार वुमन क्रिकेट अकादमी पुंडरी ने क्रिकेट विद नागेश अकादमी को 5 विकेट से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए क्रिकेट विद नागेश अकादमी ने 20 ओवर में 146/6 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान आराधना बिष्ट ने शानदार 83 रन की पारी खेली, जबकि जैसमीत कौर ने 21 और एकनूर कौर मुल्तानी ने 22 रन जोड़े। लक्ष्य का पीछा करते हुए फ्यूचर स्टार अकादमी ने 19.3 ओवर में 147/5 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। कप्तान रितिका शर्मा ने 45 गेंदों में 65 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि टीना ने 30 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में कुमारी शिबी ने 2 विकेट हासिल किए, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सकीं। दूसरे सेमीफाइनल में क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने डब्ल्यूसीसी टाइटंस को 8 विकेट से मात दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डब्ल्यूसीसी टाइटंस की टीम 20 ओवर में 116/9 रन ही बना सकी। कप्तान गुलनाज ग्रेवाल ने 38 और सुमन राजपूत ने 27 रन बनाए। नरवाल ए की ओर से सुमन संधू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में मात्र 7 रन देकर 3 विकेट झटके। दिया और निया राणा ने 2-2 विकेट हासिल किए। 117 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए क्रिकेट अकादमी ऑफ नरवाल ए ने 15.4 ओवर में ही 117/2 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पलक राणा ने नाबाद 47 रन बनाए, जबकि एन सिंह ने 19 गेंदों में तेजतर्रार 33 रन की पारी खेली। कप्तान सुमन संधू 23 रन बनाकर नाबाद रहीं।

स्वास्थ्य

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में 18 मई से शुरू होगा विशेष योग शिविर

लाइफस्टाइल बीमारियों पर योग प्रहार, मधुमेह से मानसिक तनाव तक बचाव का

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भागदौड़ भरी जिंदगी में मधुमेह (शुगर), उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मोटापा और कैंसर जैसी बीमारियां स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन रही हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला की ओर से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और बीमारियों की रोकथाम को लेकर विशेष योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ 18 मई से होगा, जोकि 29 मई तक चलेगा। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) संजीव शर्मा और डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में योगाभ्यास के माध्यम से असंक्रामक रोगों के जोखिम को कम कर व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है।

संस्थान के उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गौरव गर्ग ने बताया कि असंतुलित खानपान, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता और अनियमित दिनचर्या इन बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। ऐसे में संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम और अनुशासित जीवनशैली को मेटाबॉलिक एवं जीवनशैली विकारों से बचाव का प्रभावी त्रिस्तरीय कवच माना जा रहा है। संतुलित एवं पौष्टिक आहार उत्तम स्वास्थ्य की आधारशिला है। ताजे फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, दालें तथा प्राकृतिक खाद्य पदार्थ शरीर के चयापचय को संतुलित बनाए रखने, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने तथा दीर्घकालिक रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक होते हैं। वहीं जंक फूड, अत्यधिक चीनी, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ एवं अस्वास्थ्यकर वसा का अधिक सेवन मोटापा, मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं को बढ़ावा देता है। इसके साथ ही नियमित शारीरिक गतिविधियाँ शरीर को सक्रिय बनाए रखने, हृदय स्वास्थ्य सुधारने तथा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

हर रोज सुबह 7 से 8 बजे तक सामान्य योग सत्र का आयोजन

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वस्थवृत विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूजा हसन जी ने बताया कि संस्थान द्वारा गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न योग गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आमजन हेतु प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 8 बजे तक सामान्य योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त मधुमेह हेतु विशेष योग शिविर का आयोजन 18 मई से 29 मई तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 9 बजे तक किया जाएगा। इसके पश्चात मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता हेतु योग शिविर का आयोजन 30 मई से 10 जून तक प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 9 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

योग शिविर में योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. पूजा हसन जी ने बताया कि योग वर्तमान समय में जीवनशैली विकारों की रोकथाम एवं प्रबंधन का एक प्रभावी एवं समग्र उपाय बनकर सामने आया है। नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम एवं ध्यान शरीर की लचीलापन क्षमता बढ़ाने, श्वसन एवं हृदय स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने, तनाव कम करने तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ एवं मानसिक तनाव के बीच योग केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति एवं स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। 18 मई से शुरू होने वाले योग शिविर में योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया जाएगा, जिनका उद्देश्य आयुर्वेद एवं योग आधारित स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। यह पहल लोगों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल अपनाने, दैनिक जीवन में योग को शामिल करने तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली की ओर प्रेरित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

बढ़ते हुए जीवनशैली जनित रोगों के इस दौर में निवारक एवं समग्र स्वास्थ्य दृष्टिकोण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। संतुलित आहार, अनुशासित जीवनशैली एवं नियमित योगाभ्यास मिलकर गैर-संचारी रोगों के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं तथा जीवन की गुणवत्ता में सुधार ला सकते हैं।